सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 284 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 28 जुलाई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

रायपुर में पूल पार्टी का पोस्टर वायरल, आयोजकों की तलाश में पुलिस

रायपुर। सोशल मीडिया पर कथित प्राइवेट पूल पार्टी का पोस्टर वायरल होने से हलचल मच गई है। वायरल पोस्टर में 4,999 रुपए एंट्री फीस लेकर किसी सीक्रेट जगह पर पूल पार्टी आयोजित करने का दावा किया गया है। पोस्टर में मॉडल्स और एक्ट्रेस के साथ इंटरेक्शन, सीमित मेहमानों की एंट्री और पेमेंट के बाद आयोजन स्थल की लोकेशन साझा करने जैसी बातें लिखी गई हैं। पोस्टर वायरल होने के बाद रायपुर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर वायरल पोस्टर में पार्टी में सीमित संख्या में लोगों को एंट्री देने का दावा किया गया है। इसमें शामिल होने के लिए 4,999 रुपए एंट्री फीस तय होने की बात लिखी गई है। पोस्टर की खास बात यह है कि आयोजन स्थल का नाम या पता सार्वजनिक नहीं किया गया है। इसमें दावा किया गया है कि भुगतान करने के बाद ही पार्टी की लोकेशन संबंधित लोगों के साथ साझा की जाएगी।

जापान के क्यूशू इलाके में आया 7.1 तीव्रता का भूकंप

टोक्यो ए.। जापान के दक्षिणी कुमामोटो प्रांत में मंगलवार को 7.1 तीव्रता का भूकंप आया। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने यह जानकारी दी। भूकंप के बाद जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने 1 मीटर (3.28 फीट) ऊंची लहरों वाली सुनामी की चेतावनी जारी की है। जापान सरकार ने दक्षिणी क्यूशू द्वीप के कुमामोटो, नागासाकी, कागोशिमा, फुकुओका, सागा, ओइता और मियाजाकी प्रांतों के लिए आपातकालीन भूकंप चेतावनी जारी की है। मौसम एजेंसी ने लोगों को समुद्र और तटों से दूर रहने की सलाह दी है। जापान दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। यहां कम से कम हर पांच मिनट में भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। जापान प्रशांत महासागर के चारों ओर फैले ज्वालामुखियों और समुद्री गर्तों वाले क्षेत्र 'रिंग ऑफ फायर' में स्थित है। दुनिया में 6.0 या उससे ज्यादा तीव्रता वाले भूकंपों में से करीब 20 फीसदी जापान में आते हैं।

छत्तीसगढ़ में 2 दिन भारी बारिश का अलर्ट

रायपुर। बंगाल की खाड़ी में बने डीप डिप्रेशन के असर से छत्तीसगढ़ में अगले 48 घंटे तक मौसम बिगड़ा रहेगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश, गरज-चमक और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। इस बीच बारिश से जुड़े हादसे भी लगातार सामने आ रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में रायपुर और बिलासपुर संभाग के कई इलाकों में हल्की से मध्यम, जबकि कुछ स्थानों पर भारी बारिश हुई। प्रदेश में अब तक मानसून की बारिश सामान्य से 21त्न कम दर्ज की गई है। तापमान की बात करें तो प्रदेश में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री सेल्सियस पेंड्रारोड में दर्ज किया गया। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान 22.6 डिग्री सेल्सियस भी पेंड्रारोड में रिकॉर्ड हुआ।

छत्तीसगढ़ की बेटी ज्ञानेश्वरी ने बढ़ाया प्रदेश का मान, राष्ट्रमंडल खेल में जीता रजत

श्रीकंचनपथ न्यूज

सीएम साय बोले- विश्व मंच पर छत्तीसगढ़ की बेटी ने बढ़ाया देश का गौरव, युवाओं के लिए बनी प्रेरणा

रायपुर। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में 53 किलोग्राम महिला भारोत्तोलन में शानदार प्रदर्शन खेलो इंडिया की होनहार एथलीट व छत्तीसगढ़ की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव ने रजत पदक जीता। ज्ञानेश्वरी की इस उपलब्धि से पूरा देश गौरवान्वित है। ज्ञानेश्वरी की इस सिल्वर सफलता पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बधाई दी। उन्होंने कहा विश्व मंच पर ज्ञानेश्वरी ने छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। इस उपलब्धि पर वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने भी ज्ञानेश्वरी को बधाई दी।

बता दें ज्ञानेश्वरी यादव छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले की रहने वाली हैं। वेट लिफ्टिंग में शानदार प्रदर्शन के कारण वे खेलो इंडिया के लिए चुनी गई। अब कॉमनवेल्थ गेम्स में रजत जीतकर देश व छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। ज्ञानेश्वरी की उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि विश्व स्तर की प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में ज्ञानेश्वरी यादव द्वारा हासिल की गई यह सफलता केवल एक खिलाड़ी की व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ की प्रतिभा, मेहनत और दृढ़ संकल्प का सम्मान है।

प्रतिभा व समर्पण से मिलती है सफलता

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनांदगांव की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि प्रतिभा को समर्पण, अनुशासन और निरंतर परिश्रम का साथ मिले तो वैश्विक मंच पर भी सफलता प्राप्त की जा सकती है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में खेल संस्कृति को सशक्त बनाने, खिलाड़ियों को आधुनिक प्रशिक्षण, बेहतर सुविधाएँ और प्रोत्साहन उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हमारी सरकार का उद्देश्य ऐसा वातावरण तैयार करना है, जहाँ छत्तीसगढ़ के युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का नाम रोशन करें। मुख्यमंत्री ने ज्ञानेश्वरी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे आने वाले समय में भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भारत और छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित करती रहेंगी।

ज्ञानेश्वरी दिखाया अद्भुत खेल : वित्तमंत्री चौधरी

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि कड़े मुकाबले के बीच ज्ञानेश्वरी यादव ने अद्भुत खेल दिखा भारत के लिए रजत पदक जीतकर पूरे देश का गौरव बढ़ाया है। उनकी यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव ने आज यूरोप के ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर प्रदेश के तीन करोड़ छत्तीसगढ़िया भाई-बहनों का मान बढ़ाया है।

स्मार्ट मीटर से नहीं बढ़ती बिजली खपत तीन शहरों के सर्वे में सामने आई सच्चाई

रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर के तुलनात्मक अध्ययन में जुलाई माह में बिजली खपत में कमी दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्मार्ट मीटर को लेकर फैलाई जा रही अफवाहों के बीच छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों में स्मार्ट मीटर लगे घरेलू उपभोक्ताओं की बिजली खपत का तीन माह का तुलनात्मक अध्ययन कराया है। मई, जून और जुलाई 2026 की खपत के विश्लेषण में यह सामने आया कि अधिकांश उपभोक्ताओं की बिजली खपत जुलाई माह में कम हुई है।

रायपुर शहर क्षेत्र के 3,11,374 घरेलू स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के अध्ययन में 1 जून से 26 जून 2026 के दौरान कुल बिजली खपत लगभग 10.85 करोड़ यूनिट दर्ज की गई थी, जबकि 1 जुलाई से 26 जुलाई 2026 के दौरान यह घटकर लगभग 7.77 करोड़ यूनिट रह गई। अर्थात कुल 28 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। यदि 400 यूनिट से ज्यादा खपत करने वाले उपभोक्ताओं की बात करें, तो 1 लाख 21 हजार 135 उपभोक्ताओ के बिलों के विश्लेषण से पता चलता है, कि उनकी खपत में लगभग 44 प्रतिशत की कमी हुई है।

इसी प्रकार दुर्ग शहर के चयनित 240 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं जिनकी खपत 400 यूनिट से अधिक थी, के तीन माह के तुलनात्मक अध्ययन में भी जुलाई माह में बिजली की खपत में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई। अध्ययन में जुलाई 2026 में कुल बिजली खपत 76,257 यूनिट रही, जबकि जून 2026 में यह 1,65,411 यूनिट तथा मई 2026 में 1,75,451 यूनिट थी। इस प्रकार जुलाई माह में लगभग 53 प्रतिशत की कमी खपत में दर्ज हुई है। बिलासपुर के सिटी सर्किल में 400 यूनिट से अधिक मासिक खपत वाले 9,717 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं का विश्लेषण किया गया। इसमें मई माह की औसत खपत 524 यूनिट, जून में 596 यूनिट तथा जुलाई में घटकर 312 यूनिट दर्ज की गई। इस प्रकार जुलाई की खपत लगभग 43 प्रतिशत कम हुई है।

बिजली की ज्यादा खपत के कारण बढ़े बिल

बिजली कंपनी ने स्पष्ट किया है कि ऐसे उपभोक्ता जिनके आवासों में स्मार्ट मीटर नहीं लगा है, की खपत में भी मई और जून के माह में विगत वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है। परंतु जुलाई के माह में इसी मीटर में कम खपत दर्ज हुई है। अर्थात अधिक खपत दर्ज करने में स्मार्ट मीटर कारण नहीं है बल्कि उपभोक्ता द्वारा विद्युत उपकरणों का अधिक उपयोग है। उपभोक्ताओं के कनेक्शनों में स्वीकृत भार से अधिक उपयोग करने पर लगातार तीन माहों में उच्चतम मांग अधिक दर्ज होने पर बिल के साथ सप्लाई अफेर्डिंग की राशि जुड़ रही थी। इसके कारण भी उपभोक्ताओं को अधिक बिजली बिल प्राप्त हो रहा था।

विभाग ने की अफवाहों पर विश्वास न करने की अपील

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि वे स्मार्ट मीटर के संबंध में किसी भी भ्रामक जानकारी पर विश्वास न करें। वे मोर बिजली ऐप और स्मार्ट मीटर पोर्टल के माध्यम से उपभोक्ता अपनी प्रतिदिन तथा प्रत्येक आधे घंटे की बिजली खपत स्वयं देख सकते हैं। इससे बिजली उपयोग की निगरानी और अनावश्यक खपत पर नियंत्रण आसान हो जाता है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी पारदर्शिता के साथ उपभोक्ताओं को तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराती रहेगी, ताकि स्मार्ट मीटर के संबंध में किसी भी प्रकार का भ्रम दूर हो सके।

पुलिस कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नाबालिगों व बिना आपराधिक रिकॉर्ड वालों को रिहा करने का दिया आदेश

नईदिल्ली ए.। नीट पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में हुए छात्र आंदोलनों के दौरान पुलिस की कथित ज्यादती के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अंतरिम आदेश जारी किया है। अदालत ने 18 वर्ष से कम उम्र के ऐसे छात्र प्रदर्शनकारियों को रिहा करने का निर्देश दिया है, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। साथ ही, पात्र छात्रों के खिलाफ किसी भी तरह की जबरन कार्रवाई पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि छात्रों पर पुलिस की कथित ज्यादती के आरोप प्रथम दृष्टया निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच की मांग करते हैं। अदालत ने कहा कि पूरे मामले की पारदर्शी जांच के लिए आगे चलकर स्वतंत्र समिति या विशेष जांच दल (स्ड्ढञ्ज) के गठन पर भी विचार किया जा सकता है। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने उन सभी राज्यों को निर्देश दिया, जहां प्रदर्शन हुए थे, कि सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन रिकॉर्डिंग, बॉडी कैमरा फुटेज, वायरलेस संचार रिकॉर्ड, पीसीआर लॉग और अन्य इलेक्ट्रॉनिक व डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखा जाए। अदालत ने यह भी कहा कि प्रदर्शनकारियों से जुड़ा डिजिटल डेटा सुरक्षित रखा जाए, लेकिन उसे सार्वजनिक न किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जबरन कार्रवाई से राहत केवल उन छात्र प्रदर्शनकारियों को मिलेगी, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। अदालत ने कहा कि यह सुरक्षा आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों पर लागू नहीं होगी। पीठ ने दिल्ली सरकार को दर्ज एफ्भ्आईआर की जांच जारी रखने की अनुमति दी, लेकिन कहा कि सुनवाई पूरी होने तक पात्र छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई जबरन कार्रवाई नहीं की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, महाराष्ट्र, बिहार, केरल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिवों से याचिकाओं में लगाए गए आरोपों पर कहा कि पुलिस की कथित ज्यादती के आरोपों के साथ-साथ प्रदर्शन के दौरान घायल हुए 200 से अधिक पुलिसकर्मियों के मामलों की भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

पीएम मोदी का वीडियो हटाने पर मेटा ने मांगी माफी, कहा- तकनीकी गड़बड़ी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक फेसबुक वीडियो को कुछ समय के लिए हटाए जाने का मामला अब गंभीर रूप ले चुका है। मेटा ने इस घटना पर सरकार से माफी मांगते हुए स्वीकार किया है कि वीडियो किसी नीति उल्लंघन की वजह से नहीं, बल्कि एक तकनीकी गड़बड़ी के कारण गलती से हट गया था। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि जैसे ही गड़बड़ी का पता चला, वीडियो को दोबारा प्लेटफॉर्म पर बहाल कर दिया गया।

सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सरकार इस पूरे मामले को हल्के में नहीं ले रही है। संबंधित विभाग यह पता लगाने में जुटे हैं कि आखिर किस वजह से प्रधानमंत्री के आधिकारिक वीडियो को हटाया गया और मेटा की ओर से दी गई तकनीकी खराबी की सफाई कितनी सही है। बताया जा रहा है कि इस मामले में मेटा के प्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों को स्पष्टीकरण के लिए बुलाया जा सकता है। मेटा के प्रवक्ता ने बयान जारी कर कहा कि संबंधित कंटेंट गलती से हट गया था और अब उसे पूरी तरह बहाल कर दिया गया है। कंपनी ने इस घटना के लिए खेद भी जताया है।

चारधाम यात्रा दो दिन के लिए अस्थायी रूप से रोकी गई, कई जगह भूस्खलन

देहरादून। चारधाम यात्रा दो दिन के लिए अस्थायी रूप से रोक दी गई है। आयुक्त गढ़वाल मंडल ने बताया कि चारधाम यात्रा मार्ग कई स्थानों पर भूस्खलन से अवरूद्ध होने और भारी वर्षा का अलर्ट के कारण यात्रियों की सुरक्षा के दृष्टिगत आज और कल के लिए चारधाम यात्रा स्थगित की गई है। मौसम अनुकूल होने पर यात्रा पुन: प्रारंभ की जाएगी। उत्तराखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से राज्य के अधिकांश जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने का पूर्वानुमान जारी किया है। वहीं, कुछ जिलों के लिए भारी से भारी बारिश का अलर्ट भी जारी किया गया है। प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार देहरादून, उत्तरकाशी, टिहरी, रुद्रप्रयाग, चमोली, ऊधमसिंह नगर, बागेश्वर, पिथौरागढ़ और नैनीताल जिले के कुछ क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

मेकाहारा अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में आग, धुएं से भरा, मरीजों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में मंगलवार दोपहर अचानक आग लग गई। आग लगते ही अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया। दमकल कर्मियों ने कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया।

आग लगने के बाद इमरजेंसी वार्ड और आसपास के हिस्से में धुआं फैल गया। एहतियात के तौर पर मरीजों और उनके रिश्तेदारों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया। अस्पताल के डॉक्टरों, स्टाफ और सुरक्षा कर्मियों ने राहत-बचाव कार्य में सहयोग किया।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, इमरजेंसी वार्ड में लगे एसी में खराबी या उसके फटने से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। अग्निशमन अधिकारी पुष्पराज सिंह ने बताया कि आग पर पूरी तरह से कंट्रोल कर लिया गया है। एसी फटने की आशंका है। बिजली सप्लाई बंद कर मुआयना किया जाएगा, तभी वजह स्पष्ट हो पाएगी।

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम का एलान कप्तान गिल की अगुवाई में खेलेंगे खिलाड़ी

नईदिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी। दोनों देशों के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत 15 अगस्त से होगी। टीम की कमान एक बार फिर शुभमन गिल के हाथों में सौंपी गई है, जबकि अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल को उपकप्तान बनाया गया है।

इस टीम में सबसे चौंकाने वाला चयन सारांश जैन का है, जिन्हें पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन करने वाले इस ऑलराउंडर को पहली बार सीनियर टीम से बुलावा मिला है। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल संभालेंगे। बल्लेबाजी में यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल को भी जगह मिली है। ऑलराउंडर के रूप में रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और मानव सुथार टीम का हिस्सा हैं।

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम

कप्तान शुभमन गिल, उपकप्तान केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, देवदत्त पडिक्कल और सारांश जैन।

संपादकीय

निजी आजादी पर रोक क्यों

असहमति पर अंकुश : न्यायमूर्ति की खरी-खरी

देश में गाहे-बगाहे असहमति के अधिकार और ?व्यक्तिगत आजादी पर अंकुश लगाने के प्रयासों पर चर्चा होती ही रहती है। अब सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्ज्वल भुइयां के हालिया बयानों ने इस मुद्दे को एक बार फिर सार्वजनिक विमर्श का विषय बनाया है। दरअसल, पिछले हफ्ते भोपाल स्थित नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी में एक व्याख्यान देते हुए उन्होंने उत्तर प्रदेश में चौदह युवाओं की गिरफ्तारी और उन्हें लंबे समय तक हिरासत में रखने के मुद्दे पर तल्ख सवाल उठाए थे। दरअसल, मार्च 2026 में इन युवाओं पर आरोप लगा था कि उन्होंने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा नदी में नाव की सवारी के दौरान इफ्तार के दौरान चिकन बिरयानी खाई थी और बिरयानी के बचे अवशेष नदी में डाल दिए थे। स्थानीय स्तर पर मामले के तूल पकड़ने के बाद इन चौदह युवाओं को गिरफ्तार किया गया था। जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा था कि गंगा नदी के ऊपर या किनारे चिकन बिरयानी खाना कोई कानूनी अपराध नहीं है। उनका कहना था कि किसी भी कानून में ऐसी गतिविधि पर रोक नहीं है। जस्टिस भुइयां ने इसके साथ ही शांतिपूर्ण असहमति को अपराध की श्रेणी में लाने के बढ़ते चलन पर भी चिंता जताई। दूसरे शब्दों में कहें तो उन्होंने भारतीय लोकतंत्र की सेहत से जुड़े ज्वलंत प्रश्नों को सार्वजनिक बहस का हिस्सा बनाया है। तो सवाल उठता है कि क्या केंद्र सरकार लोगों की निजी पसंद, अभिव्यक्ति की आजादी और विरोध करने के अधिकार पर रोक लगाने में हद से आगे बढ़ रही है? क्या नागरिकों को उन कामों के लिये उनकी आजादी से वंचित किया जा सकता है जो कुछ लोगों की भावनाओं को ठेस तो पहुंचा सकते हैं, लेकिन स्पष्ट रूप से अपराध की श्रेणी में नहीं आते? हाल-फ्लिहाल के घटनाक्रमों के आलोक में बीस जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई को देखते हुए, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की राय से असहमत होना मुश्किल ही कहा जाएगा। उनकी राय थी कि असहमति के लिये जगह कम होती जा रही है।

> “ दरअसल, मार्च 2026 में इन युवाओं पर आरोप लगा था कि उन्होंने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा नदी में नाव की सवारी के दौरान इफ्तार के दौरान चिकन बिरयानी खाई थी और बिरयानी के बचे अवशेष नदी में डाल दिए थे। स्थानीय स्तर पर मामले के तूल पकड़ने के बाद इन चौदह युवाओं को गिरफ्तार किया गया था। जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा था कि गंगा नदी के ऊपर या किनारे चिकन बिरयानी खाना कोई कानूनी अपराध नहीं है। उनका कहना था कि किसी भी कानून में ऐसी गतिविधि पर रोक नहीं है।

दरअसल, हाल के वर्षों में अक्सर देखा गया है कि देश में पर्यावरण कार्यकर्ता, छात्र, विभिन्न संगठन और दूसरे नागरिक जो असहमति जताते हैं, उन्हें अक्सर आपराधिक मामलों का सामना करना पड़ता है। लेकिन सरकार प्रतिरोध के स्वरों की अनसुनी कर देती है। हालांकि,देर-सवेर अदालतें, अक्सर मामले के कानूनी प्रक्रिया में आने के बाद उन्हें राहत दे देती हैं। लेकिन अक्सर जमानत में होने वाली देरी और सख्त शर्तें अपने आप में सजा का ही एक रूप बन सकती हैं। निस्संदेह, इस आलोक में देश की न्यायपालिका को भी, जो संवैधानिक अधिकारों की संरक्षक भी है, अपनी भूमिका की नये सिरे से समीक्षा करनी चाहिए। सिर्फन्यायिक फैसलों से ही आजादी की रक्षा नहीं की जा सकती। निर्विवाद रूप से प्रक्रिया से जुड़े सुरक्षा उपाय भी मायने रखते हैं क्योंकि प्रक्रिया खुद नागरिकों के जीवन पर असर डालती है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की न्यायिक जवाबदेही की मांग बहुत सही समय पर सामने आई है। निर्विवाद रूप से आलोचना से अदालतें कमजोर नहीं होती हैं वरन जब उसके फैसलों की खुलकर समीक्षा की जाती है तो वे और मजबूत होती हैं। संस्थाओं में जनता का भरोसा उसकी कार्यशैली, तर्क और विनम्रता से ही आता है, न कि जांच-पड़ताल से बचने की प्रवृत्ति से। न्यायमूर्ति ने अपनी बात कहकर सार्वजनिक विमर्श के लिये इस मुद्दे को रख दिया है। अब देश के विभिन्न पक्षों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र तभी अपनी गरिमा के साथ आगे बढ़ सकता है जब नागरिकों में वैचारिक आजादी की पर्याप्त जगह हो। जब किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिक बेबाकी से अपने हित से जुड़े सवाल पूछ सकें और सत्ता के समक्ष निर्भीक होकर सच बोलने के लिये आजाद हों तो इससे सही अर्थों में लोकतंत्र की मूल भावनी पुष्ट ही होती है। देश के नीति-नियंताओं को भी न्यायमूर्ति के उद्गारों पर चिंतन-मनन करने की जरूरत है।

डेंगू वैक्सीन को मंजूरी से आगे की राह

डॉ. चंद्रकांत लहरिया

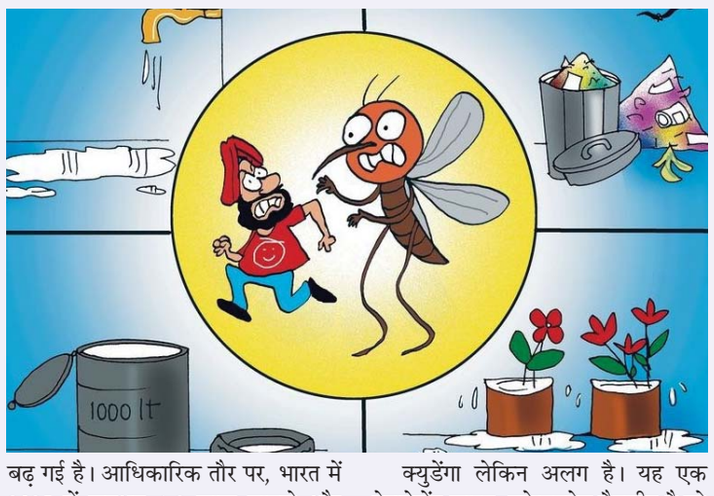

एक समय था जब मलेरिया मच्छरों से फैलने वाली वह बीमारी थी जिससे ज़्यादातर भारतीय डरते थे। इसके विपरीत डेंगू को कम प्रचलित और कम खतरनाक माना जाता था। वह स्थिति अब नाटकीय रूप से उलट गई। पिछले दो दशकों में, डेंगू भारत और दूसरी जगहों पर तेज़ी से फैला। अब यह बुखार होने, अस्पताल में भर्ती होने की नौबत आने और मौत तक का जाना-पहचाना कारण है, खासकर मॉनसून में और उसके बाद। फिर भी, मलेरिया के उलट – जिसके लिए असरदार दवाएं हैं – डेंगू का कोई खास एंटीवायरल इलाज नहीं है।

डेंगू की वैक्सीन विकसित करना मुश्किल साबित हुआ है। कई वैक्सीन आईं, लेकिन हरेक के साथ वैज्ञानिक, सुरक्षा या क्रियान्वयन की चुनौतियां रहीं। इस परिदृश्य में, भारत के दवा नियामक संस्थान द्वारा टाकेडा संस्थान की डेंगू वैक्सीन, 'क्यूडेंगा' को मंज़ूरी देना स्वागत योग्य कदम है। भारत को एक ऐसी बीमारी के खिलाफ़एक अन्य हथियार की ज़रूरत है, जो अब सिर्फ़मौसमी नहीं रही। डेंगू तेज़ी से शहरी इलाकों में फैल रहा है, बार-बार हो रहा है और इसका अंदाज़ा लगाना मुश्किल है। हालांकि, इस मंज़ूरी को जनस्वास्थ्य की सफलता नहीं समझना चाहिए। कोई वैक्सीन असरदार हो सकती है, लेकिन अगर वह महंगी हो, सही लोगों तक न पहुंचे या आसानी से उपलब्ध न हो, तो उसका असर सीमित हो सकता है। बाजार में उतारने की मंज़ूरी मिलने के बावजूद, यह वैक्सीन देश में अगले छह माह तक उपलब्ध नहीं। पहली खेप 2027 की शुरुआत में आने की उम्मीद है।

अनुमान है कि डेंगू के कुल वैश्विक मामलों में लगभग एक-तिहाई भारत में होते हैं। पिछले दो दशकों में दर्ज किए गए संक्रमणों की संख्या ग्यारह गुणा से ज़्यादा बढ़ गई है। आधिकारिक तौर पर, भारत में 2025 में लगभग 1.2 लाख मामले और 131 मौतें दर्ज की गईं। ये आंकड़े बीमारी के असल बोझ को कम दिखाते हैं। कई संक्रमणों की जांच नहीं होती, कई मरीज़ों का इलाज दर्ज नहीं होता है, और कुछ मौतों की वजह आघात,रक्त स्राव जैसी जटिलताएं मान ली जाती हैं। 2026 के निगरानी आंकड़े पहले ही बताते हैं कि मुख्य मॉनसून सीज़न शुरू होने से पूर्व ही प्रसार बढ़ने लगा है। डेंगू वैक्सीन का इतिहास बताता है कि सावधानी क्यों ज़रूरी है। सनोफ़ी संस्थान द्वारा विकसित 'डेंगवैक्सिया' को शुरू में बड़ी कामयाबी माना गया था। बाद में पता चला कि जिन लोगों को कभी डेंगू नहीं हुआ था, उन्हें वैक्सीन लगने के बाद संक्रमित होने पर बीमारी बिगड़ जाने का खतरा ज्यादा बन सकता है। इस स्थिति को 'एंटीबॉडी-डिपेंडेंट एन्हांसमेंट' कहा जाता है। इस वजह से वैक्सीन लगाने से पहले जांच ज़रूरी हो गई और इसे लागू करना मुश्किल। फ़िलीपींस में हुए विवाद ने भरोसा कम कर दिया। सबक यह नहीं कि डेंगू वैक्सीन खारिज कर दी जाए, बल्कि यह कि डेंगू की जैविकी जटिल है और सबूतों से पूर्व उत्साह नहीं बनाना चाहिए।

क्युडेंगा लेकिन अलग है। यह एक टेट्रावेलेंट लाइव-एटेन्यूएटेड वैक्सीन है जो कमजोर डीईएनवी-2 बैकबोन पर आधारित है, जिसमें अन्य तीन डेंगू सीरोटाइप का जेनेटिक मैटीरियल शामिल है। भारत ने इसे चार से साठ साल की उम्र के लोगों के लिए मंज़ूरी दी है। तीन महीने के अंतराल पर दो डोज़ में दी जाती है, जिसमें यह सत्यापन करने की जरूरत नहीं कि व्यक्ति को पहले कभी डेंगू हुआ है या नहीं। परीक्षणों में डेंगू के सत्यापित मामलों में एक साल में इसकी प्रभावशीलता करीब 80 फ़ीसदी रही और कुछ विश्लेषणों में, 18 महीने में अस्पताल में भर्ती होने की नौबत के मामलों में 90 प्रतिशत से ज़्यादा की कमी आई। ये आंकड़े उत्साहजनक हैं, लेकिन इन्हें सावधानी से समझने की ज़रूरत है। तमाम संक्रमणों की तुलना में अस्पताल में भर्ती होने से बचाव होता ज़्यादा मज़बूत दिखाई देता है, जो एक बड़ा फ़ायदा है। हालांकि, समय के साथ असर कम हो जाता है, और कुछ आबादी में डीईएनवी-3 और डीईएनवी-4 के लिए सबूत कमज़ोर या कम निश्चित रहे हैं। भारत में बाजार में इसकी उपलब्धता के बाद अलग-अलग उम्र के लोगों, इलाकों और फैल रहे सीरोटाइप के बीच निगरानी, पारदर्शी सूचना और स्थानीय स्टडीज की ज़रूरत होगी।

क्यूडेंगा को 40 से अधिक देशों में विश्व स्वास्थ्य संगठन की पूर्व योग्यता और अनुमोदन प्राप्त हुआ है। हैदराबाद स्थित बायोलॉजिकल-ई के साथ हुई टाकेडा की साझेदारी से भारत में सालाना 5 करोड़ खुराक तक की उत्पादन क्षमता बनने की उम्मीद है, जो 2030 तक प्रति वर्ष 10 करोड़ खुराक के वैश्विक लक्ष्य में योगदान देगा। यह भारत को एक मुख्य उत्पादन केंद्र बना सकता है।

फिर भी मंजूरी तो केवल शुरुआत है। किसी गोदाम, निजी क्लिनिक या सरकारी अधिसूचना में रखी वैक्सीन तब तक किसी बीमारी को नहीं रोकती जब तक यह जरूरतमंद लोगों तक न पहुंच पाए। मूल्य संबंधी सौदेबाज़ी, खरीद, कोल्ड-चेन व्यवस्था, स्वास्थ्य-कार्यकर्ता प्रशिक्षण, सार्वजनिक संचार और सरकारी योजना तय करेगी कि क्यूडेंगा एक सार्वजनिक स्वास्थ्य कवच बन जाएगी या नहीं।

देश को यह तय करना होगा कि वैक्सीन का उपयोग कैसे किया जाना चाहिए। एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम न तो किफ़ायती हो सकता है और न ही महामारी की परिभाषा के हिसाब से एक आवश्यकता है। डेंगू का खतरा असमान है और अक्सर कुछ खास शहरों, जिलों और राज्यों में इसका प्रकोप होता है। उच्च संक्रमण दर वाले इलाकों में निगरानी आधारित चरणबद्ध शुरुआत करना समझदारी होगी। सरकार को अधिक जोखिम वाली आबादी के लिए सार्वजनिक खरीद पर विचार करना चाहिए, सार्वजनिक एवं निजी उपयोग के लिए विभिन्न स्तरों पर रखे जाने वाले मूल्य के निर्धारण पर बात करनी होगी और किफ़ायती दाम पर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए घरेलू विनिर्माण का उपयोग करना होगा।

टीकाकरण के साथ-साथ निगरानी में भी सुधार होना चाहिए। इस काम में भारत को बेहतर जिला-स्तरीय डेटा, निजी अस्पतालों और प्रयोगशालाओं से पूरी रिपोर्टिंग और डेंगू सीरोटाइप के फैलाव पर जानकारी की आवश्यकता होगी। वहीं देश भर में कम मात्रा में दवा वितरित करने के बजाय अधिक संक्रमण वाले इलाकों में सीमित मात्रा में खुराक को केंद्रित करने से अधिक लाभ मिलने की संभावना है।

टीकाकरण कमजोर मच्छर नियंत्रण का बहाना नहीं बनना चाहिए। डेंगू की रोकथाम प्रजनन स्थलों को खत्म करना, रुके हुए पानी को साफ करना, जल निकासी में सुधार, लारवा-उन्मूलक का उपयोग और रस्मी फॉगिंग की बजाय रणनीति बनाकर किए गए धुंआकरण पर निर्भर रहेगी। नागरिकों को मच्छर-भगाऊ क्रीम, जाली, मच्छरदानी और मच्छरों के डंक से बचाने वाले कपड़ों का उपयोग करना जारी रखना होगा। शीघ्र निदान और निगरानी आवश्यक है।

लोगों की भी भूमिका भी अहम है। उपलब्धता, मूल्य निर्धारण और बाधाएं हल होने के बाद, तय आयु वर्ग के लोग योग्य डॉक्टरों की टीकाकरण पर सलाह ले सकते हैं। जो लोग निजी पहुंच का खर्च वहन करने में सक्षम हैं, उन्हें राष्ट्रीय कार्यक्रम की प्रतीक्षा की जरूरत नहीं। लेकिन टीकाकरण को बतौर सुरक्षा परत देखा जाए, न कि घर में कूलर, बर्तन या नाली में थमा पानी अनदेखा करने की अनुमति के रूप में। क्यूडेंगा के रूप में डेंगू के खिलाफदेश को उपयोगी हथियार मिल गया है। क्या यह लाखों लोगों के लिए सार्थक सुरक्षा कवच बन पाएगा या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि तालियां खत्म होने के बाद क्या किया जाता है।

-लेखक कार्डियोमेटाबोलिक फिज़िशियन और हेल्थ पॉलिसी एक्सपर्ट हैं।

जबरिया श्रम का तमाशा: भारत और अमेरिका के नए टैरिफ

अमेरिका ने भारत और कई अन्य देशों से आयात होने वाली उन वस्तुओं पर 10 फ़ीसदी टैरिफ लगाया है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे जबरिया श्रम का इस्तेमाल करके तैयार किये गये हैं। यह कदम और कुछ नहीं, स्थायी टैरिफ को बहाल करने और, एक बार फिर, अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के फ़ायदों को उजागर करने की कोशिश भर है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फ़रवरी 2026 के निर्णय से विभिन्न देशों के साथ व्यापार समझौता करने की अमेरिकी कोशिशों को तगड़ा झटका लगा। उच्च रेसिप्रोकल (जैसे-को-तैसा) टैरिफ की मुख्य धमकी अदालती आदेश के साथ खत्म हो गयी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने समाधान के तौर पर सभी देशों पर अस्थायी 10 फ़ीसदी टैरिफ लगाया, जो दो कमजोरियों से ग्रस्त था : इसकी मियाद 150 दिनों की थी, और इसे सभी देशों पर समान दर से लगाया गया था, चाहे उनका अमेरिका के साथ व्यापार समझौता हो या न हो। उस टैरिफ की मियाद अब खत्म हो चुकी है। पिछले हफ्ते घोषित धारा 301 का 'जबरिया श्रम' टैरिफ ज्यादा स्थायी किस्म का है, और इसमें अमेरिका के साथ व्यापार समझौते वाले देशों के लिए फ़ायदे काढ़े गये हैं। उदाहरण के लिए, भारत से होने वाले अमेरिकी आयातों पर उस बेस टैरिफ के अतिरिक्त 10 फ़ीसदी टैरिफ लगेगा जो अमेरिका सभी से वसूलता है, लेकिन यूरोपीय संघ और ताइवान को कुल 10 फ़ीसदी का टैरिफ देना होगा। ऐसे ही फ़ायदे जापान, दक्षिण कोरिया और स्विट्जरलैंड को भी प्रदान किये गये हैं - इन सभी देशों का अमेरिका के साथ व्यापार समझौता औपचारिक रूप लेने के अलग-अलग चरणों में है। अगर जबरिया श्रम को रोकना प्राथमिक फ़ोकस था, तो सभी दोषियों पर समान रूप से टैरिफ लगाया जाना चाहिए था, बिना यह देखे कि उस देश के साथ व्यापार समझौता किस स्थिति में है। टैरिफ में भी इतनी सारी उत्पाद-वार छूट और देश-वार कोटा नहीं होता, जितना कि अंतिम संस्करण में मौजूद है।

यह भी सवाल है कि क्या अमेरिका को दूसरे देशों को तीसरे पक्ष के साथ उनके व्यापार के लिए सजा देनी चाहिए। भारत जबरिया श्रम का इस्तेमाल करने का आरोपी नहीं रहा है, फिर भी टैरिफ का सामना कर रहा है क्योंकि दूसरे देश आरोपी रहे हैं। यह इसके कुछ ही समय बाद हुआ, जब अमेरिकी सरकार ने एक अदालत से कहा कि वह 卐दुनिया की पुलिस卐 की तरह काम करना नहीं चाहती। भारत ने प्रस्तावित 12.5 फ़ीसदी टैरिफ को घटवाकर अंतत: 10 फ़ीसदी कराने के लिए बढ़िया काम किया है; यह दर उसके ज्यादातर प्रतिस्पर्धियों के समान या बेहतर है। इसके लिए बस जबरिया श्रम के इस्तेमाल से बनी वस्तुओं के आयात पर रोक लगाने वाली एक अधिसूचना की जरूरत पड़ी। इस कदम को लागू करना ही मुश्किल होगा, क्योंकि इसके लिए जरूरत होगी कि चीन और मलेशिया जैसे देश भारतीय सरकारी अधिकारियों को अपने यहां आने और अपनी श्रम स्थितियों की जांच करने की अनुमति दें। लेकिन भारत ने महज अधिसूचना जारी करके टैरिफ घटवाने में सफलता हासिल कर ली। हालांकि, अनिश्चितता कायम है क्योंकि अतिरिक्त क्षमता को लेकर धारा 301 की एक अन्य जांच होनी अभी बाकी है और उसके परिणामस्वरूप और टैरिफ लग सकता है। उस टैरिफ पर स्पष्टता मिलने तक, इस बात की बहुत कम संभावना है कि भारत किसी व्यापार समझौते को स्वीकार करेगा। इसके बावजूद, टैरिफ को भारत को किसी समझौते की ओर धकेलने का हथियार नहीं बनने देना चाहिए। अनुभवों ने दिखाया है कि समझौते पर दस्तखत होने के बाद भी अमेरिका के टैरिफ परिदृश्य में आमूल-चूल बदलाव आ सकता है।

राजनीतिक प्राणी बन गया है कॉकरोच

आलोक पौराणिक

हाल में हुए आंदोलन में कॉकरोच का सम्मान बढ़ गया है। कॉकरोच सदियों से बदनाम प्राणी रहा है। रसोई में दिखे तो चप्पल उठती है, बाथरूम में दिखे तो चीख निकलती है। मगर हाल के आंदोलन ने कॉकरोच की छवि बदल दी। अब कॉकरोच सिर्फ कीड़ा नहीं, राजनीतिक प्रतीक है। कॉकरोच और नेता में बुनियादी समानता यह है कि दोनों को निपटाना आसान नहीं। दोनों का सफाया करो तो नेता अगले चुनाव में फिर उग आता है, कॉकरोच अगली रात फिर रसोई में। दोनों प्रजातियां विलुप्त होने के नाम पर सबसे ज्यादा जीवित रहती हैं। परमाणु युद्ध के बाद भी कॉकरोच बचेगा, यह वैज्ञानिक मानते हैं। सत्ता-परिवर्तन के बाद भी नेता बचेगा, यह जनता मानती है। फर्क सिर्फ इतना है कि कॉकरोच को दीवार की दरार चाहिए, नेता को सिर्फ पार्टी बदलने का मौका चाहिए। दोनों दरार खोजने में माहिर हैं।

कॉकरोच अंधेरे में सक्रिय होता है, रोशनी पड़ते ही भाग जाता है। नेता भी रात की बैठकों में सक्रिय होता है, कैमरा आते ही मुस्कुराने लगता है। रोशनी दोनों को पसंद नहीं, हां कैमरे की रोशनी अलग चीज है, वह मंच की रोशनी है, उससे कोई नहीं भागता।

बर्गर एक ऐसी चीज है जो दो परतों के बीच सब कुछ छुपा देती है। ऊपर से देखो तो सिर्फ बन दिखता है, गोल-मटोल, मासूम। अंदर क्या है, यह खाने वाले को भी पक्का पता नहीं चलता। नेता भी ठीक बर्गर जैसा प्राणी है। ऊपर से भाषण की परत, नीचे वादों की परत, बीच में जो असली माल है वह किसी को नहीं दिखता।

बर्गर बहुराष्ट्रीय कंपनी की उपज है, नेता बहुदलीय राजनीति की उपज है। दोनों में असली सामग्री ढूंढना मुश्किल काम है। मेन्यू में लिखा कुछ होता है, प्लेट में मिलता कुछ और है। घोषणापत्र में लिखा कुछ होता है, सरकार में मिलता कुछ और है। बर्गर की कीमत बढ़े तो जनता चुप रहती है, यह सोचकर कि महंगाई है। नेता की कीमत बढ़े यानी चंदा बढ़े तो जनता को पता भी नहीं चलता, यह सोचकर कि लोकतंत्र है। कॉकरोच और नेता, दोनों को हल्के में लेना खतरनाक है। दोनों अनुकूलन के उस्ताद हैं। कीटनाशक बदलो, कॉकरोच नई नस्ल बनाकर लौट आता है।

श्री हरि वृंदा

आँगन के बिरवा में, औषधि भंडार लिए,
आयुर्वेद शक्तिशाली,
पौध गुणकारी है।

आधि-व्याधि हर लेती, अमर सौभाग्य देती ,
भोर साँझ दीप दान,
शोभा मनोहारी है।

प्रेयसी श्री हरि वृंदा, शीश सदा विराजती,
'सुषमा' है सुखदायी,
लगती वो न्यारी है।

विष्णुप्रिया श्री पद्मिनी, मोक्षदायिका नन्दिनी,
तुलसी है यशस्विनी,
शालिग्राम प्यारी है।

सुषमा प्रेम पटेल (रायपुर)

विकसित भारत का लक्ष्य : रोजगार बाजार के अनुरूप ढले शिक्षा

प्रो. रसाल सिंह

विकसित भारत के लक्ष्य की सबसे महत्वपूर्ण और मजबूत सीढ़ी शिक्षा है, लेकिन हाल के आंकड़े इस सीढ़ी की कमजोरी दर्शाते हैं। इंडिया स्किल्स रिपोर्ट के अनुसार देश में केवल 56 प्रतिशत स्नातक ही आज किसी छोटे-मोटे रोजगार के योग्य माने जा सकते हैं। औसतन हर दो में से एक युवा डिग्री लेकर भी समकालीन रोजगार बाजार की जरूरतों पर खरा नहीं उतर पा रहा है। दूसरी ओर इंडिया ग्रेजुएट स्किल इंडेक्स के अनुसार एआइ और मशीन लर्निंग से जुड़ी भूमिकाओं में रोजगार के अवसर पिछले एक साल में 46 प्रतिशत बढ़े हैं, जबकि एचआर, डिजिटल मार्केटिंग और सामान्य प्रशासन जैसी पारंपरिक नौकरियों की मांग लगातार घट रही है।

अमेरिका, चीन, जापान सहित यूरोप के विश्वविद्यालय इस बदलाव को इतनी गंभीरता से ले रहे हैं कि उन्होंने एआइ के कारण अपने पारंपरिक कार्यक्रमों की घटती मांग को देखते हुए न सिर्फ उनकी फीस कम कर दी है, बल्कि बदलते रोजगार परिदृश्य के अनुरूप अपने विश्वविद्यालयी पाठ्यक्रमों में आमूलचूल परिवर्तन भी किया है। चीन ने पिछले महीने अपने 12 हजार से अधिक (लगभग एक तिहाई) स्नातक डिग्री कार्यक्रमों को अप्रासंगिक मानते हुए बंद कर दिया। ये वे पाठ्यक्रम थे, जो समकालीन और भविष्य के जाब मार्केट से मेल नहीं खाते। उनकी जगह चीन ने एआइ, रोबोटिक्स, सेमीकंडक्टर, क्वांटम एप्लीकेशन और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में नए कार्यक्रम शुरू किए हैं। इसकी मूल वजह यह थी कि वहां एक ओर डिग्रीधारी बेरोजगारों की संख्या क्रमश: बढ़ती जा रही थी और प्रतिष्ठानों को अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप कुशल कर्मी नहीं मिल पा रहे थे।

भारत में भी पुराने और परंपरागत कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों को तत्काल समाप्त या संशोधित करने की आवश्यकता है। उभरते हुए रोजगार परिदृश्य और कौशल आवश्यकताओं के अनुरूप अपने शिक्षा-तंत्र को बदलकर ही हम उसे प्रासंगिक बनाए रख सकते हैं। आज फैक्ट्री से लेकर बाजार तक और डिजाइनिंग स्टूडियो से लेकर फाइनेंशियल एनालिसिस तक एआइ साथ-साथ काम कर रही है। इस नए युग को 'स्किल आग्मेंटेशन' की जरूरत है, जहां तकनीक इंसान की जगह नहीं लेती, बल्कि उसकी क्षमता बढ़ाती है।

इसी कारण पिछले केंद्रीय बजट में 'शिक्षा के लिए एआइ' उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने हेतु 500 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है। इसे इंडिया एआइ मिशन के साथ जोड़ा गया है। हमें इस मद में भारी मात्रा में निवेश की आवश्यकता है। साथ ही एआइ को केंद्र में रखते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को पुनर्व्याख्यायित और क्रियान्वित करने की आवश्यकता है। शिक्षा और शोध में अधिकतम निवेश करने वाले देश ही आर्थिक महाशक्ति बनते हैं।

पाठ्यक्रमों को फिर से डिजाइन करने के क्रम में हमें मानविकी को खत्म नहीं करना है, बल्कि उसे समकालीन आवश्यकताओं के अनुसार बदलना है। इतिहास को डाटा विजुअलाइजेशन के साथ, साहित्य को कंटेंट स्ट्रैटेजी और डिजिटल नैरेटिव के साथ दर्शन को एआइ एथिक्स के साथ और भाषाविज्ञान को कंप्यूटेशनल सिमेंटिक्स के साथ जोड़ना होगा। इसे ही डिजिटल ह्यूमैनिटीज और कल्चरल एनालिटिक्स कहा जाता है। इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम को भी लीगेसी तकनीकों से निकालकर सिस्टम थिंकिंग और एनर्जी ट्रांजिशन के इर्द-गिर्द बनाना होगा। हमें लचीलेपन और बहु-विषयकता को बढ़ावा देना चाहिए। एक छात्र बीकाम के साथ डाटा एनालिटिक्स पढ़ सके, बीए के साथ कोडिंग सीख सके, विज्ञान के साथ उद्यमिता का प्रोजेक्ट कर सके।

एनईपी का मेजर-माइनर सिस्टम इसी सोच से आया है। दीवारें तोड़कर वातायन बनाने होंगे। कला, वाणिज्य, विज्ञान के पुराने खांचे अब काम नहीं आएंगे। समाज, उद्योग और बाजार के साथ सहवर्ती संबंध और निरंतर संवाद होना चाहिए। पाठ्यक्रम बंद कमरे में नहीं बनने चाहिए। टीसीएस, इन्फोसिस, एमएसएमई, स्टार्टअप इकोसिस्टम और क्षेत्रीय उद्योगों को बोर्ड आफ स्टडीज में जगह मिलनी चाहिए। इंटर्नशिप दो माह की औपचारिकता न होकर छह माह की परियोजना होनी चाहिए।

छात्र का मूल्यांकन मार्कशीट के आधार पर नहीं होना चाहिए। वह संस्थान से अंकपत्र लेकर नहीं, निपुणता लेकर निकले। इसके लिए शिक्षकों की निरंतर अपस्किलिंग होनी चाहिए और छात्रों के प्लेसमेंट के आधार पर उनका मूल्यांकन होना चाहिए। अधुनातन सूचना-तकनीक का बुनियादी ढांचा बनाना भी आवश्यक है। वर्चुअल लैब, एआइ ट्यूटर, सिमुलेशन आधारित प्रयोगशालाएं अब विलासिता नहीं, आवश्यकता हैं। इन्हें टियर-टू और टियर-थ्री शहरों तक पहुंचाना होगा, ताकि डिजिटल डिवाइड शिक्षा का डिवाइड न बन जाए। उद्यमिता के अनुकूल परिवेश भी विकसित करना होगा। इसे शिक्षा-तंत्र के डीएनए में डालना होगा।

प्रत्येक डिग्री में स्टार्टअप दृष्टि, हरेक कैंपस में इनक्यूबेशन लैब और फंडिंग सुनिश्चित करनी होगी। हमें नौकरी मांगने वाली पीढ़ी नहीं, नौकरी देने वाली पीढ़ी तैयार करनी होगी। यदि हम वाकई विकसित भारत चाहते हैं तो हमें विकसित विश्वविद्यालय तैयार करने होंगे। विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान और राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन राजनीति और लालफीताशाही से बचकर इस सपने को साकार कर सकते हैं।

-लेखक दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज में प्रोफेसर हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रमुख खबरें

खरीफ मौसम में फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई

दुर्ग। राज्य शासन कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा उद्यानिकी फसलों में पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना अंतर्गत खरीफ मौसम में फसल बीमा कराने हेतु 31 जुलाई 2026 तक समय सीमा तय किया गया है। उद्यानिकी फसलों की खेती कर रहे किसानों को विपरीत मौसम जैसे कम तापमान, अधिक तापमान, बीमारी अनुकूल मौसम, कीट व्याधियो का प्रकोप, लगातार अवर्षा की स्थिति निर्मित होना ओला वृष्टि आदि से होने वाले नुकसान से बचाने पुर्नगठित मौसम आधारित फसल बीमा लागू की गई है। खरीफ वर्ष 2026 में दुर्ग जिले अन्तर्गत बीमा कराने वाले कृषकों को अधिसूचित फसल के अनुसार निर्धारित कुल बीमित राशि का अधिकतम 5 प्रतिशत अथवा वास्तविक प्रीमियम जो भी कम हो राशि कृषक अंश के रूप में ऋणि एवं अऋणि दोनो प्रकार के कृषको को जमा करने होंगें। अऋणि कृषक फसल लगाने का स्वघोषित प्रमाण पत्र, नक्शा खसरा, आधार कार्ड अपने बैंक पासबुक की छाया प्रति जिसमें आईएफएससी कोड इत्यादि का उल्लेख हो, जमा कर बीमा करा सकते है।

दुर्ग जिले में अब तक 415.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून 2026 से 27 जुलाई 2026 तक 415.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 508.6 मिमी तहसील बोरी में तथा न्यूनतम 276.7 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 466.9 मिमी, तहसील पाटन में 507.1 मिमी, तहसील भिलाई-3 में 399.3 मिमी और तहसील अहिवारा में 333.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 27 जुलाई 2026 को तहसील दुर्ग में 3.0 मिमी, तहसील धमधा में 5.1 मिमी, तहसील पाटन में 4.4 मिमी, तहसील बोरी में 0.0 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 11.0 मिमी और तहसील अहिवारा में 7.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

बच्चों के साथ निबंध लेखन, पेंटिंग, क्विज प्रतियोगिता

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई

क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अंतर्गत AHP घटक के सूर्या विहार के पीछे खम्हरिया 493 व 1120 के हितग्राहियों और बच्चों के साथ निबंध लेखन, पेंटिंग, क्विज़ आदि स्वतंत्रता दिवस 2026 के उपलक्ष्य में IEC गतिविधियों का आयोजन - किया गया। जिसमें महापौर परिषद सदस्य संदीप निरंकारी, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह और प्रधानमंत्री आवास योजना के उप अभियंता दीपक देवांगन, ष्टरूञ्ज्ष्ट आदित्य ठाकुर, किरण चतुर्वेदी, लिपिक नरेश ढाकुलकर एवं डोमेश पाली उपस्थित रहे।

भिलाई निगम का अभियान, विद्युत एवं ट्यूबलर पोल से हटाए जा रहे अवैध बैनर-पोस्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह के निर्देशानुसार शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों में अवैध रूप से लगाए गए बैनर एवं पोस्टर हटाने की कार्रवाई की जा रही है। निगम की टीम द्वारा सड़कों एवं प्रमुख मार्गों पर स्थापित ट्यूबलर तथा विद्युत पोल से अवैध बैनर-पोस्टर को लगातार हटाया जा रहा है।

निगम अधिकारियों ने बताया कि विद्युत एवं ट्यूबलर पोल पर लगाए गए बैनर-पोस्टर कई बार सड़क किनारे दृश्यता को प्रभावित करते हैं, जिससे वाहन चालकों को सामने से आने वाले वाहनों एवं अन्य बाधाओं को देखने में परेशानी हो सकती है। इससे सड़क दुर्घटना की संभावना भी बनी रहती है। इसके अलावा शहर के प्रमुख मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों पर अनाधिकृत प्रचार सामग्री लगाए जाने से शहर की सुंदरता एवं स्वच्छता प्रभावित होती है।

अवैध बैनर-पोस्टर के खिलाफ महापौर परिषद से भी संकल्प पारित

आयुक्त सुरुचि सिंह के निर्देश पर भिलाई निगम द्वारा शहर की सुंदरता खराब कर रहे अवैध बैनर एवं पोस्टर को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत निगम अमला विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर विद्युत एवं ट्यूबलर पोल सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लगाए गए अनाधिकृत बैनर-पोस्टर को हटाने की कार्रवाई कर रहा है। अवैध बैनर पोस्टर हटाए जाने के संबंध में महापौर परिषद से भी संकल्प पारित है। नगर निगम भिलाई ने नागरिकों एवं विभिन्न संस्थानों से अपील की है कि सार्वजनिक संपत्तियों, विद्युत एवं ट्यूबलर पोल तथा अन्य निर्धारित स्थानों पर बिना अनुमति के बैनर-पोस्टर न लगाएं। निगम द्वारा शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं सुरक्षित बनाए रखने के लिए अवैध प्रचार सामग्री के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रखी जाएगी।

नाबालिग वाहन चालकों पर ट्रैफिक पुलिस की सख्ती दो दिन में 600 से अधिक वाहनों की जांच

37 नाबालिग वाहन चालकों के अभिभावकों की बैठक लेकर भरवाया गया वचन-पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग में यातायात विभाग द्वारा बच्चों के सुरक्षा के लिये नाबालिग वाहन चालकों के विरुद्ध यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को दुर्ग-भिलाई क्षेत्र के 37 नाबालिग वाहन चालकों के वाहन रोक कर अभिभावकों की बैठक आयोजित कर उन्हें यातायात नियमों एवं कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। सभी अभिभावकों से यह सुनिश्चित करने हेतु वचन-पत्र भरवाया गया कि वे भविष्य में अपने नाबालिग बच्चों को बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चलाने की अनुमति नहीं देंगे। पिछले 2 दिनों में 600 से अधिक दोपहिया वाहनों की सघन जांच की गई।

जांच के दौरान 67 नाबालिग वाहन चालकों के पालकों को बुलाकर समझाइश दी गई तथा उन्हें भविष्य में बच्चों को वाहन न देने की चेतावनी दी गई। यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा कार्यवाही के साथ-साथ जागरूकता अभियान भी लगातार संचालित किया जा रहा है। जिले के विभिन्न स्कूलों में जाकर स्कूल

प्रबंधन, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी दी जा रही है। विद्यार्थियों को समझाइश दी जा रही है कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने एवं वैध ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने के बाद ही वाहन चलाएं तथा हमेशा यातायात नियमों का पालन करें। अभिभावकों से अपील की गई कि वे बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उन्हें बिना लाइसेंस वाहन न दें।

बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन न दें

पुलिस कंट्रोल रूम हुई बैठक में अभिभावकों को बताया गया कि नाबालिग बच्चों द्वारा वाहन चलाना न केवल मोटरयान अधिनियम का उल्लंघन है, बल्कि इससे स्वयं बच्चे एवं अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के जीवन पर भी गंभीर खतरा उत्पन्न होता है। उन्हें नाबालिग वाहन संचालन से संबंधित कानूनी प्रावधानों, दंडात्मक कार्यवाही तथा सड़क दुर्घटनाओं के संभावित परिणामों की विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक के दौरान सभी अभिभावकों से वचन-पत्र भरवाया गया, जिसमें उन्होंने यह आश्वासन दिया कि भविष्य में वे अपने नाबालिग बच्चों को बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के किसी भी प्रकार का वाहन चलाने की अनुमति नहीं देंगे तथा उन्हें यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करेंगे।

स्कूलों में जाकर दे रहे यातायात नियमों की जानकारी

यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा विगत 2 दिनों में 600 से अधिक वाहनों की सघन जांच की गई। इस दौरान 67 नाबालिग वाहन चालकों के पालकों को बुलाकर समझाइश दी गई तथा चेतावनी दी गई कि भविष्य में पुन: ऐसी स्थिति पाए जाने पर मोटरयान अधिनियम के तहत नियमानुसार कठोर कार्यवाही की जाएगी। यातायात पुलिस दुर्ग केवल प्रवर्तन तक सीमित न रहकर जागरूकता पर भी विशेष बल दे रही है। लगातार जिले के विभिन्न स्कूलों में जाकर स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं पालकों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। विद्यार्थियों को स्पष्ट रूप से बताया जा रहा है कि बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाना कानूनन अपराध है। 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने एवं वैध ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने के बाद ही वाहन चलाएं तथा हेलमेट, सीट बेल्ट, निर्धारित गति सीमा एवं अन्य सभी यातायात नियमों का पालन करें।

रिसाली को हरा भरा करने महापौर शशि ने पौध रोपण कर की शुरूआत

अलग-अलग वार्डो में 1600 से अधिक पौध रोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रिसाली महापौर शशि सिन्हा अपने वार्ड क्षेत्र में आने वाले देहली पब्लिक स्कूल रिसाली पहुंची। उन्होंने रिसाली निगम क्षेत्र के अलग-अलग वार्डो में किए जाने वाले पौध रोपण की शुरूआत डीपीएस से की। वहां उन्होंने 20 से भी ज्यादा फलदार और छायादार पौध का रोपण की।

महापौर शशि सिन्हा ने इस दौरान पौध रोपण कार्यक्रम में शामिल बच्चों को पर्यावरण को स्वस्थ रखने की बात कहते हुए घरों के आस पास खाली जगहों पर पौध रोपण करने कहा। उन्होंने स्कूल परिसर में रोपे गए पौधों की देखभाल करने की जिम्मेदारी भी स्कूली बच्चों को दी। स्कूल परिसर में वाइस प्रिंसिपल ने भी पौध रोपण किया। महापौर ने बताया कि पूरे रिसाली निगम क्षेत्र के अलग-अलग वार्डो में पौध रोपण किया जा रहा है। निगम के अधिकारी व वार्ड पार्षद प्रत्येक दिन पौध रोपण करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि इसके लिए सेड्युल तैयार किया गया और लगभग 1600 पौध रोपण करने का लक्ष्य निर्धारित किय गया है।

यहां हुए पौध रोपण

सघन पौध रोपण करने तैयार कार्यक्रम के तहत महापौर के अलावा अन्य पार्षदों ने भी पौध रोपण किया। तालपुरी की पार्षद सविता ढवस बी ब्लॉक के बैडमिंटन कोर्ट, वार्ड 03 की पार्षद सारिका साहू ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला परिसर और वार्ड 05 माया यादव ने पौध रोपण किया।

जाति प्रमाण पत्र मिलने से खुला शिक्षा और रोजगार का रास्ता

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासन की महत्वकांक्षी पहल सेवा सेतु से जरूरतमंदों को प्रमाण पत्र बनाने की राह आसान कर दी है। दुर्ग निवासी हिरामन को कई बार कार्यालयों के चक्कर लगाने के बावजूद प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी के अभाव में उनका कार्य पूरा नहीं हो पा रहा था।

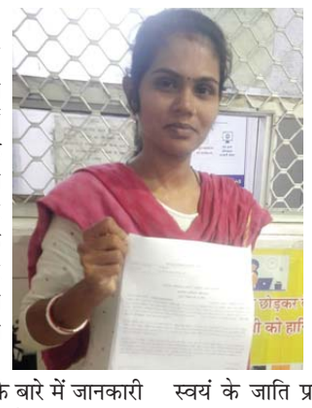

इसी दौरान उन्हें सेवा सेतु के बारे में जानकारी मिली। उन्होंने जाति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया। आवेदन के बाद सेवा सेतु प्रबंधक ने आवश्यक दस्तावेजों की जांच कर आवेदन की पूरी प्रक्रिया में मार्गदर्शन और समन्वय किया। संबंधित विभाग द्वारा आवेदन का परीक्षण कर 30 जून 2026 को उनका ओबीसी जाति प्रमाण पत्र अनुमोदित कर जारी कर दिया गया।

जाति प्रमाण पत्र प्राप्त होने के बाद हिरामन ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहती है कि अब उन्हें आवश्यक दस्तावेज बनवाने तथा भविष्य में अपने परिवार के शैक्षणिक एवं अन्य सरकारी कार्यों में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। अब स्वयं के जाति प्रमाण पत्र के आधार पर अपने भाई-बहनों का भी जाति प्रमाण पत्र बना पाउंगी। उन्होंने सेवा सेतु की त्वरित, पारदर्शी और जनहितैषी कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

गुरु पूर्णिमा पर गजानन मंदिर हुडको में भव्य आयोजन 29 को

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हिंदू जनजागृती समिती द्वारा 29 जुलाई 2026 को श्री गजानन महाराज मंदिर हुडको भिलाई में गुरूपूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को हिंदू जनजागृती समिति के छत्तीसगढ़ व महाराष्ट्र राज्य संगठक सुनील घनवट ने प्रेस वार्ता के माध्यम से कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुरू पूर्णिमा महोत्सव में हिंदू राष्ट्र की स्थापना के लिए संघर्ष और साधना की दिशा विषय पर मार्गदर्शन होगा।

सुनील घनवट ने बताया कि वर्तमान समय में सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रीय मूल्यों के संरक्षण के लिए समाज में जागरूकता, संगठन, आध्यात्मिक साधना तथा धर्माचरण की आवश्यकता है। सदियों से गुरू शिष्य परंपरा ने राष्ट्र एवं धर्म की रक्षा के लिए समय समय पर नेतृत्व करते हुए समाज की दिशा दी है।

आज भी जब राष्ट्र और धर्म संकट भी है ऐसे समय में गुरु का जीवन मी महत्व, साधना, धर्मशिक्षा लेने का महत्व अनन्यसाधारण है, सामाजिक एकता, राष्ट्रहित, संस्कृती रक्षा तथा समाज के समक्ष उपस्थित विभिन्न चुनौतियों के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता है। साथ ही प्रत्येक हिंदू से अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए राष्ट्र एवं धर्म के उत्थान में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लेने का आग्रह किया गया है।

ऐसा होगा कार्यक्रम

सुनील घवट ने कार्यक्रम के संबंध में बताया कि गुरू पूर्णिमा महोत्सव का आरंभ समिति के प्रेरणास्थान सच्चिदानंद परब्रह्म डॉ जयंत बालाजी आठवले के गुरू भक्तराज महाराज की प्रतिमा पूजन से होगा। महोत्सव में अध्यात्म, धर्म, आयुर्वेद, साधना आदि विषयों पर सच्चिदानंद परब्रह्म डॉ जयंत बालाजी आठवले द्वारा संकलित ग्रंथ प्रदर्शनी के साथ राष्ट्र एवं धर्म के बारे में जागृत करने वाले फ्लेक्स प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। प्रेस वार्ता के दौरान सर्व समाज अध्यक्ष मेघनाथ यादव, कान्हा महाराज, आशीष शर्मा, कमल बिस्वाल, कल्पना निमजे और पी. उपेंद्र विशेष रूप से उपस्थित थे।

आईआईटी भिलाई में 600 स्टूडेंट्स का नया बैच, फेकल्टी ने किया स्वागत

कैंपस लाइफ में आसानी से ढलने स्टूडेंट मेंटरशिप प्रोग्राम का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई ने लगभग 600 नए छात्रों के बैच का स्वागत किया। कैंपस लाइफ में आसानी से ढलने में मदद के लिए, स्टूडेंट मेंटरशिप प्रोग्राम 24 से 27 जुलाई तक चार दिन का ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया। नए छात्रों और उनके माता-पिता के लिए एक इंटरैक्टिव सेशन आयोजित किया गया। जिसमें डायरेक्टर प्रो. राजीव प्रकाश और सीनियर फैकल्टी सदस्यों जिनमें डीन प्रो. सौम्या गंगोपाध्याय, प्रो. संतोष बिस्वास, डॉ. सुधानवा पात्रा और डॉ. कुलदीप कटारिया के साथ-साथ SMP फैकल्टी-इन-चार्ज डॉ. प्रवीण कुमार ने कैंपस की सुविधाओं, एकेडमिक सपोर्ट और स्टूडेंट लाइफ के बारे में अहम जानकारी दी। इस ओरिएंटेशन का मकसद नए छात्रों को संस्थान में मौजूद एकेडमिक, रिसर्च और एक्स्ट्रा-करिकुलर मौकों से परिचित कराना है।

नए छात्रों के बैच को संबोधित करते हुए, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के डायरेक्टर प्रो. राजीव प्रकाश ने छात्रों को आगाह किया कि वे एडमिशन को ही आखिरी मंज़िल न समझें। उन्होंने कहा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में पहुँचना माउंट एवरेस्ट के बेस कैंप तक पहुंचने जैसा है—यह अभी शिखर नहीं है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि सफलता के शिखर तक पहुँचने के लिए लगातार अनुशासन, दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत की ज़रूरत होती है।

प्रोफ़ेसर प्रकाश ने छात्रों से अपनी शिक्षा का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर समाज की भलाई के लिए करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि असल दुनिया की सामाजिक समस्याओं को हल करने के लिए छात्रों द्वारा शुरू किए गए स्टार्टअप बहुत ज़रूरी हैं। उन्होंने छात्रों को इनक्यूबेशन की ओर बढ़ने और देश के लिए स्टार्टअप शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्हें समाज की ज़रूरतों को पूरा करना चाहिए और राष्ट्र प्रथम की सोच अपनानी चाहिए। उन्हें नौकरी खोजने वाले के बजाय नौकरी देने वाला बनना चाहिए। संस्थान के बढ़ते रिसर्च और डेवलपमेंट के दायरे पर ज़ोर देते हुए, उन्होंने नए छात्रों को उभरते हुए क्षेत्रों में प्रैक्टिकल स्किल सीखने, ऋष्ठ प्रोजेक्ट्स में शामिल होने और अपनी पढ़ाई के साथ-साथ एंटरप्रेन्योरशिप से जुड़े काम करने के लिए प्रेरित किया।

कैंपस कल्चर के महत्व को बताते हुए, डायरेक्टर ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई को एक मिलनसार और एक-दूसरे का साथ देने वाला परिवार बताया जो सामूहिक तरक्की के लिए समर्पित है। उन्होंने नए छात्रों को सर्वांगीण व्यक्तिगत विकास के लिए हॉस्टल की ज़िंदगी अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। सबसे ज़रूरी बात यह है कि उन्होंने कहा कि कामयाबी से ज़्यादा अहमियत हमेशा चरित्र की होनी चाहिए और छात्रों को सहानुभूति और ईमानदारी को प्राथमिकता देने की सलाह दी। उन्होंने सीखने के लिए एक समावेशी माहौल बनाने पर भी ज़ोर दिया और कहा कि ज्ञान हासिल करने में भाषा कभी भी रुकावट नहीं बननी चाहिए।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को मिला जन आंदोलन का स्वरूप

रायपुर। राज्य में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत महिलाओं, किशोरियों और विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न जिलों में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में सूरजपुर और बालोद जिले में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से महिला सुरक्षा, बाल अधिकार, बाल संरक्षण, वित्तीय साक्षरता तथा शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर समाज में जागरूकता का संदेश दिया गया। सूरजपुर जिले के ओड़गी विकासखंड के चेन्द्रा में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान, घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न, मासिक धर्म स्वच्छता, बाल विवाह के दुष्परिणाम, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181 एवं आपातकालीन सेवा 112 की जानकारी दी गई। साथ ही नोनी सुरक्षा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना, महतारी वंदन योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर तथा वित्तीय साक्षरता से जुड़े विषयों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई।

माओवाद प्रभावित अंचल में डिजिटल विकास की नई पहल

रायपुर। डिजिटल विकास की नई पहल का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाना और शासन को पारदर्शी व आसान बनाना है। इसके तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और ग्रामीण कनेक्टिविटी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सुकमा जिले के दूरस्थ और माओवाद प्रभावित रहे क्षेत्रों में अब विकास की नई तस्वीर दिखाई दे रही है। शासन की डिजिटल सुविधाएं गांव-गांव तक पहुंच रही हैं और ग्रामीणों को जरूरी शासकीय सेवाएं अब उनके घर के नजदीक ही मिलने लगी हैं। इसी कड़ी में कोंटा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मिसमा में आधार सेवा केंद्र एवं अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केंद्र शुरू किया गया है। कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में शुरू किए गए इस केंद्र से मिसमा सहित आसपास के पांच गांवों के ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा।

नेतानार के फूलसिंह और रामबती को आवेदन के दिन ही मिला विवाह प्रमाण पत्र

रायपुर। शासकीय दफ्तरों के चक्कर, लंबे इंतजार का तनाव और समय-धन की बर्बादी—कभी ग्रामीण अंचलों में सरकारी दस्तावेज बनवाना इन्हीं दुश्वारियों का दूसरा नाम हुआ करता था। लेकिन छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर शुरू हुए 'सेवा सेतु केंद्र' ने इस तस्वीर को पूरी तरह बदल दिया है। अब सरकारी सेवाएं न सिर्फ आमजन के घर के नजदीक पहुंच रही हैं, बल्कि उनकी रफ्तार ऐसी है कि नागरिक भी हैरान और खुश हैं। इसी पारदर्शी और त्वरित सुशासन की एक प्रेरक मिसाल सामने आई है जिले के सुदूर ग्राम नेतानार से। ग्राम नेतानार निवासी फूलसिंह पोटाई और उनकी पत्नी रामबती पोटाई को अपने विवाह प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। अतीत के अनुभवों को देखते हुए उन्हें लगा था कि इस काम के लिए तहसील या जनपद कार्यालय के कई चक्कर काटने पड़ेंगे। लेकिन जब वे अपने नजदीकी 'सेवा सेतु केंद्र' पहुंचे, तो उनके सामने सुशासन का एक नया स्वरूप प्रस्तुत हुआ।

नीट-2026 में एकलव्य विद्यालय छोटे मुड़पार के तीन विद्यार्थियों ने रचा सफलता का इतिहास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 28 जुलाई को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे सम्मानितरायगढ़ जिले के विकासखंड खरसिया स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, छोटे मुड़पार के तीन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने नीट-2026 में उल्लेखनीय सफलता अर्जित कर जिले, विद्यालय और अपने परिवार का गौरव बढ़ाया है। इस उपलब्धि के लिए राजू राठिया, धेनु राठिया और डिगेंद्र राठिया को 28 जुलाई को मुख्यमंत्री निवास, रायपुर में आयोजित भेंट-संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सम्मानित करेंगे।

भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय एवं राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति, नई दिल्ली द्वारा संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों का उद्देश्य दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं समावेशी शिक्षा उपलब्ध कराना है। इन विद्यालयों में नियमित शिक्षा के साथ-साथ मेडिकल, इंजीनियरिंग एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जाता है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ में 75 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित हैं।

इसी व्यवस्था का सकारात्मक परिणाम रायगढ़ जिले के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, छोटे मुड़पार में देखने को मिला है। विद्यालय के छात्र राजू राठिया ने नीट-2026 में 720 में से 405 अंक, धेनु राठिया ने 375 अंक तथा डिगेंद्र राठिया ने 374 अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की है।

सीमित संसाधनों और ग्रामीण-आदिवासी परिवेश से आने वाले इन विद्यार्थियों ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अध्ययन के बल पर यह मुकाम28 जुलाई को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय करेंगे सम्मानित हासिल किया है। उनकी सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उचित मार्गदर्शन और अनुकूल अवसर मिलें, तो वे राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। नीट-2026 में सफल विद्यार्थियों के सम्मान एवं उत्साहवर्धन के लिए 28 जुलाई को मुख्यमंत्री निवास, रायपुर में विशेष भेंट-संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय तीनों विद्यार्थियों से संवाद करेंगे और उनकी उपलब्धि के लिए सम्मानित करेंगे। यह सम्मान न केवल इन विद्यार्थियों के लिए गौरव का क्षण होगा, बल्कि विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों को भी उच्च लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा। जिला स्तरीय आदिम जाति कल्याण एवं आश्रम शैक्षणिक संस्थान समिति के अध्यक्ष एवं कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने तीनों विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। सहायक आयुक्त श्रीकांत दुबे ने भी उनकी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी हैं। विद्यालय के प्राचार्य अरुण कुमार सिंह, वरिष्ठ पीजीटी जवाहरलाल सिन्हा सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों की उपलब्धि को विद्यालय के लिए गौरवपूर्ण बताते हुए कहा कि उनकी सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

आदिवासी अंचल के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत

राजू, धेनु और डिगेंद्र की सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि आदिवासी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अवसरों के विस्तार का सशक्त उदाहरण है। तीनों विद्यार्थियों ने यह सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा संसाधनों की नहीं, बल्कि संकल्प, मेहनत और सही मार्गदर्शन की मोहताज होती है। उनकी सफलता आने वाली पीढ़ी के विद्यार्थियों को भी बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने का आत्मविश्वास प्रदान करेगी।

कारगिल के वीरों का बलिदान देश की भावी पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणापुंज रहेगा: मंत्री टंक राम वर्मा

2047 के स्वर्णिम भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे अहम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के सभागृह में आज 'कारगिल विजय दिवस' के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री ने कारगिल के अमर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए देश की आंतरिक व बाह्य सुरक्षा, युवाओं की भूमिका और 2047 के विकसित भारत संकल्प पत्र पर अपने विचार साझा किए।

मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि 26 जुलाई 1999 को 'ऑपरेशन विजय' के तहत भारतीय सेना ने अपनी सीमाओं की रक्षा करते हुए शत्रुओं को खदेड़ा था।कारगिल की जीत केवल सैन्य अभियान की सफलता नहीं, बल्कि भारत के अखंड स्वाभिमान की विजय थी। हमारे वीर जवानों का बलिदान देश हमेशा याद रखेगा। उन्होंने वीर नारियों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के प्रति पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश की ओर से आभार जताया।

उच्च शिक्षा मंत्री ने देशभक्ति की परिभाषा को व्यापक रूप से रेखांकित करते हुए कहा कि राष्ट्रभक्ति केवल विशेष अवसरों पर नारे लगाने तक सीमित नहीं है। समय का पाबंद होना, ईमानदारी से काम करना, जरूरतमंदों की मदद, जल व पर्यावरण संरक्षण, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान 'एक पेड़ माँ के नाम' व 'वोकल फॉर लोकल' को जीवन में अपनाना ही वास्तविक देशभक्ति है। साथ ही, युवाओं को सेना के शौर्य से जोड़ने के लिए महाविद्यालयों में वीर सैनिकों के सम्मान में नियमित संगोष्ठी और प्रदर्शनियाँ आयोजित की जाएं। उन्होंने कहा कि बस्तर से सरगुजा और रायपुर तक छत्तीसगढ़ के युवाओं में असीम ऊर्जा है। इस ऊर्जा को शिक्षा, कौशल, अनुसंधान और नवाचार से जोड़कर ही समृद्ध छत्तीसगढ़ का निर्माण संभव है।

2047 का विजन: विकसित भारत, समृद्ध छत्तीसगढ़

मंत्री वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'विकसित भारत 2047' के विजन और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के 'समृद्ध छत्तीसगढ़' के संकल्प को पूरा करने में युवाओं की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने उच्च शिक्षा संस्थानों से अपील की कि वे विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान न देकर उनमें राष्ट्रबोध, अनुशासन और नेतृत्व के गुण विकसित करें।

सुरक्षा केवल सीमाओं पर नहीं, परिसर और डिजिटल मीडिया में भी जरूरी

डिजिटल दौर की चुनौतियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बिना जांचे-परखे फ़र्जी संदेश फैलाना सामाजिक सद्भाव को नुकसान पहुंचाता है। इसके साथ ही, हाल ही में नीट परीक्षा विवाद जैसे मामलों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों का माहौल खराब करने का प्रयास करने वाले असमाजिक और बाहरी तत्वों पर कड़ी निगरानी रखनी होगी। उन्होंने राज्य के सभी महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के परिसरों में शांति, सुरक्षा और सुचारू अध्यापन के लिए सतर्कता बरतने की सख्त हिदायत दी।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग के पूर्व कुलपति प्रो. एन. पी. दीक्षित, वरिष्ठ शिक्षाविद् प्रो. टी. एल. वर्मा, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ल, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. शैलेन्द्र पटेल सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, शोधार्थी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री शर्मा की पहल से दिव्यांग समझराम साहू को मिली बैटरी चलित मोटराइज्ड ट्रायसायकल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य केवल सुविधाएं उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना भी है। कबीरधाम जिले के ग्राम पंचायत भागुटोला अंतर्गत ग्राम चिमागोंदी निवासी दिव्यांग समझराम साहू के जीवन में भी ऐसा ही बदलाव आया है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की संवेदनशील पहल से उन्हें बैटरी चलित मोटराइज्ड ट्रायसायकल उपलब्ध कराई गई, जिससे अब उनका आवागमन पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान और सुविधाजनक हो गया है।

समझराम साहू लंबे समय से दिव्यांगता के कारण आने-जाने में कठिनाइयों का सामना कर रहे थे। दैनिक कार्यों के लिए भी उन्हें परिजनों अथवा अन्य लोगों पर निर्भर रहना पड़ता था।

अपनी समस्या के समाधान के लिए उन्होंने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा से उनके कार्यालय में मुलाकात कर बैटरी चलित मोटराइज्ड ट्रायसायकल उपलब्ध कराने का आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन प्राप्त होते ही उप मुख्यमंत्री शर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उनके निर्देशों के अनुरूप समाज कल्याण विभाग ने त्वरित पहल करते हुए विधायक कार्यालय कवर्धा में समझराम साहू को आज बैटरी चलित मोटराइज्ड ट्रायसायकल प्रदान की।

मोटराइज्ड ट्रायसायकल प्राप्त करने के बाद समझराम साहू ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि पहले उन्हें घर से बाहर निकलने में काफी कठिनाई होती थी। अब बैटरी चलित ट्रायसायकल मिलने से वे स्वयं अपने कार्यों के लिए आसानी से आना जाना कर सकेंगे। इससे उनके जीवन में आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे अधिक आत्मनिर्भर बन सकेंगे।

पीएम सूर्य घर योजना से राजेंद्र कुमार साहू बने ऊर्जा आत्मनिर्भर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' लोगों को स्वच्छ ऊर्जा अपनाने और बिजली बिल से राहत दिलाने की दिशा में प्रभावी साबित हो रही है। इसी योजना का लाभ उठाते हुए खैरागढ़ के शिव मंदिर रोड निवासी राजेंद्र कुमार साहू ने अपने घर की छत पर 3 चङ्खश्च क्षमता का सोलर रूफ्टॉप प्लांट स्थापित कराया है। जुलाई माह में प्लांट स्थापित होने के बाद अब उन्हें हर महीने बिजली बिल में बड़ी बचत का लाभ मिलेगा।

सोलर प्लांट लगने से पहले राजेंद्र साहू के घर का औसत बिजली बिल लगभग 1,300 प्रति माह आता था, जबकि गर्मियों में यह बढ़कर 2,000 से 3,000 तक पहुंच जाता था। अब सोलर प्लांट चालू होने के बाद उनका बिजली बिल लगभग शून्य या केवल न्यूनतम फिक्स्ड चार्ज तक सीमित रहने की संभावना है।

3 **KWp** क्षमता का सोलर प्लांट प्रतिमाह औसतन 300 से 360 यूनिट बिजली का उत्पादन करेगा। इससे पहले बिजली बिल पर होने वाला लगभग 1,300 प्रति माह का खर्च बचेगा। इस प्रकार उन्हें सालाना लगभग 15,000 से 18,000 तक की सीधी आर्थिक बचत होगी। राजेंद्र साहू को पीएम सूर्य घर योजना के तहत केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा ?1,08,000 की सब्सिडी सीधे बैंक खाते में प्राप्त हुई। इस सब्सिडी से सोलर प्लांट की स्थापना लागत में उल्लेखनीय कमी आई और योजना का लाभ लेना आसान हो गया।

यदि सोलर प्लांट से उत्पादित बिजली का पूरा उपयोग घर में नहीं हो पाता है, तो अतिरिक्त बिजली नेट मीटरिंग के माध्यम से विद्युत ग्रिड में चली जाएगी। इसके बदले बिजली विभाग द्वारा आगामी बिलों में क्रेडिट अथवा समायोजन का लाभ मिलेगा, जिससे उपभोक्ता की बचत और अधिक बढ़ेगी। सौर ऊर्जा के उपयोग से पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम होती है, जिससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आती है। यह स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। राजेंद्र साहू ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि पीएम सूर्य घर योजना का लाभ उठाकर सभी नागरिक अपनी छतों पर सोलर प्लांट लगवाएं। इससे बिजली बिल में बड़ी बचत होगी, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा।

जल जीवन मिशन 2.0 पर छत्तीसगढ़ के सांसदों के साथ मंथन

श्रीकंचनपथ न्यूज

छत्तीसगढ़ सदन में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक का आयोजन

रायपुर। नई दिल्ली स्थित छत्तीसगढ़ सदन में सोमवार शाम जल जीवन मिशन (जे.जे.एम.) 2.0 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने की। इस दौरान छत्तीसगढ़ के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव सहित राज्य के लोकसभा एवं राज्यसभा सांसद उपस्थित रहे। बैठक में सांसदों के संसदीय क्षेत्रों में जल जीवन मिशन की प्रगति, योजनाओं की वर्तमान स्थिति तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में छत्तीसगढ़ के लोकसभा सांसद व केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, चिंतामणि महाराज, राधेश्याम राठिया, कमलेश जांगड़े, ज्योत्सना महंत, संतोष पांडेय, विजय बघेल, बृजमोहन अग्रवाल, रूपकुमारी चौधरी, महेश कश्यप और भोजराज नाग तथा राज्यसभा सांसद राजा देवेंद्र प्रताप सिंह, श्रीमती लक्ष्मी वर्मा और श्रीमती फूलो देवी नेताम उपस्थित रहे।

बैठक में जल जीवन मिशन 2.0 के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने, परियोजनाओं में तेजी लाने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा जनप्रतिनिधियों के सुझावों के आधार पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विचार-विमर्श किया गया। सांसदों ने अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों से जुड़े सुझाव और आवश्यकताएं भी साझा की।

बैठक में मिशन के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग, समयबद्ध क्रियान्वयन तथा केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से योजनाओं को गति देने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने जल जीवन मिशन 2.0 की प्रमुख विशेषताओं और क्रियान्वयन रणनीति की भी जानकारी प्रस्तुत की।

बैठक में सांसदों की भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा की गई। जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया गया कि वे जिला स्तरीय छ्व्र्रढ्ढ्रस्न की बैठकों में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं के समाधान में सहयोग करें। साथ ही, श्जल अर्पणश् कार्यक्रमों में सहभागिता कर पूर्ण हो चुकी पेयजल योजनाओं के लोकार्पण तथा ग्राम पंचायतों को उनके हस्तांतरण को प्रोत्साहित करें। जल जीवन मिशन के लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए राज्य एवं जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग देने का भी आह्वान किया गया।

बैठक में केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय के अधिकारियों सहित छत्तीसगढ़ के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुल हक़ भी उपस्थित रहे।

वन्यजीव संरक्षण के लिए बलौदाबाजार वनमंडल की अभिनव पहल

सांपों के साथ सह-अस्तित्व का संदेश, रेस्क्यू एवं जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सांपों के साथ सह-अस्तित्व का अर्थ है उनके प्राकृतिक व्यवहार को समझना, डर को कम करना और सुरक्षित तरीके अपनाना। सांप पर्यावरण संतुलन के लिए जरूरी हैं क्योंकि वे चूहों और कीटों की संख्या को नियंत्रित रखते हैं। घर के आसपास घास, लकड़ी के ढेर या कबाड़ न जमा होने दें ताकि सांपों को छिपने की जगह न मिले। घर के आसपास चूहों व अन्य कृन्तकों को न पनपने दें, क्योंकि भोजन की तलाश में ही सांप घरों का रुख करते हैं।

वन मंत्री केदार कश्यप के वन्यजीव संरक्षण के व्यापक विजन और प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख के मार्गदर्शन में बलौदाबाजार वनमंडल द्वारा वन्यजीव संरक्षण और जनजागरूकता की दिशा में अभिनव पहल की गई। वनमंडल द्वारा सोनबरसा वन विहार में 'सांपों के साथ सह-अस्तित्व : स्नेक रेस्क्यू एंड अवेयरनेस वर्कशॉप-2026' का सफल आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य वन विभाग के मैदानी अमले और युवाओं में सांपों को लेकर व्याप्त भ्रांतियों को दूर करना तथा उनके प्रति वैज्ञानिक समझ विकसित करना था। कार्यशाला में विषैले और अविषैले सांपों की पहचान, उनके व्यवहार, पारिस्थितिकी तंत्र में उनकी भूमिका और सुरक्षित रेस्क्यू के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यशाला के पहले सत्र का आयोजन वनमंडल कार्यालय, बलौदाबाजार में किया गया। विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को विभिन्न प्रजातियों के सांपों की पहचान, उनके व्यवहार और पर्यावरण संतुलन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी दी। सर्पदंश से जुड़ी भ्रांतियों, आपात स्थिति में प्राथमिक उपचार, रेस्क्यू के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों तथा मानव-सर्प संघर्ष को कम करने के उपायों पर भी चर्चा की गई।

कार्यशाला के दूसरे सत्र का आयोजन सोनबरसा वन विहार में किया गया। इस दौरान विशेषज्ञों ने सर्प रेस्क्यू का लाइव प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों को रेस्क्यू उपकरणों के सुरक्षित उपयोग और सांपों को बिना नुकसान पहुंचाए सुरक्षित रूप से प्राकृतिक आवास में छोड़ने की व्यावहारिक जानकारी दी गई। कार्यशाला में फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी छत्तीसगढ़ की स्टेट लीड डॉ. मंजीत कौर बाल, शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज बेरला, बेमेतरा के मैकेनिकल विभागाध्यक्ष डॉ. जगपाल सिंह बाल तथा स्नश्वस् के प्रोजेक्ट मैनेजर नरेंद्र कुमार यादव, अंचल ठाकुर और मानव राज ने विशेषज्ञ संसाधन व्यक्तियों के रूप में प्रशिक्षण दिया।

वन अमले और 'युवान' वॉलंटियर्स ने लिया उत्साहपूर्वक हिस्सा

कार्यशाला में बलौदाबाजार वनमंडल के विभिन्न वन परिक्षेत्रों से वन अधिकारी, कर्मचारी, सुरक्षा श्रमिक और 'युवान ' वॉलंटियर्स शामिल हुए। प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों से संवाद कर अपनी शंकाओं का समाधान किया और वन्यजीव संरक्षण में वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने का संकल्प लिया। वनमंडलाधिकारी धम्मशील गणवीर ने कहा कि सांप प्रकृति और पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उनके प्रति वैज्ञानिक समझ और जागरूकता विकसित कर ही मानव-सर्प संघर्ष को कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम वन अमले की क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ समाज में वन्यजीवों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रभास की स्पिरिट में कैटरीना कैफ की एंट्री?

2 साल बाद एक्ट्रेस की बड़े पर्दे पर होगी वापसी?

साउथ सुपरस्टार प्रभास की आने वाली फिल्म स्पिरिट इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। कुछ महीने पहले ही दीपिका पादुकोण इस फिल्म से बाहर हो चुकी हैं, जिसके बाद फिल्म में तृप्ति डिमरी और प्रभास की जोड़ी देखने को मिलेगी। इसी बीच फिल्म से जुड़ी एक बड़ी अपडेट सामने आ रही है कि एक्ट्रेस कैटरीना कैफभी फिल्म का हिस्सा बनने वाली हैं, जो फैंस के बीच चर्चा में है।

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म के मेकर्स कैटरीना कैफसे कैमियो के लिए बात कर रहे हैं। फिल्म में उनका स्क्रीन टाइम कम हो सकता है, लेकिन वो एक मजबूत किरदार में दिखाई देंगी। अगर कैटरीना फिल्म में नजर आती हैं, तो ये उनके फैंस के लिए बहुत खास होने वाला है. शादी के बाद बड़े पर्दे पर वो बहुत कम दिखाई दी है और कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर चल नहीं पाई। इसीलिए स्पिरिट उनकी बड़ी फिल्मों में से एक हो सकती हैं। हालांकि कैटरीना या मेकर्स ने इसे लेकर कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया हैं।

बता दें कि संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में पहले दीपिका पादुकोण लीड रोल में नजर आने वाली थी। लेकिन न्यूज 18 शोशा के अनुसार, उन्होंने मेकर्स से 8 घंटे की शिफ्ट, 25 करोड़ फीस के अलावा फिल्म के प्रॉफिट का 10% की मांग की थी। इसी वजह से मेकर्स और उनके बीच बात नहीं बनी और उन्होंने फिल्म से किनारा कर लिया। इसके बाद तृप्ति डिमरी को फिल्म के लिए चुना गया और वो दीपिका से कम फीस ले रही हैं।

वहीं बात करें कैटरीना की, तो उन्होंने करीब 20 साल पहले मल्लीस्वरी में वेंकटेश और अल्लारी पिडुगु में नंदामुरी बालकृष्ण के साथ तेलुगु फिल्म में काम किया था। बाद में वो बॉलीवुड फिल्मों में सक्रिय रही और आखिरी बार उन्हें 2024 में मेरी क्रिसमस फिल्म में विजय सेतुपति के साथ देखा गया।

टीवी सबसे बड़ा स्कूल है, लोग इसे कम क्यों समझते हैं? निहारिका चौकसे ने इंडस्ट्री की सोच पर उठाए सवाल

टीवी सबसे बड़ा टेलीविजन अभिनेत्री निहारिका चौकसे इन दिनों अपने शो तुम से तुम तक को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने टेलीविजन इंडस्ट्री को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने उन लोगों पर सवाल उठाया है जो आज के समय में टीवी को फिल्मों और ओटीटी से कमतर मानते हैं। उनका कहना है कि टीवी कलाकारों के लिए सबसे बड़ा स्कूल है, जहां हर दिन कुछ नया सीखने का मौका मिलता है।

निहारिका चौकसे ने कहा, मुझे टीवी पर काम करना हमेशा पसंद है। अगर कोई मुझसे कहे कि मुझे रोज 14 घंटे काम करना होगा, तब भी मुझे कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि मुझे बिजी रहना अच्छा लगता है। मुझे समझ नहीं आता कि कुछ लोग टेलीविजन को कम क्यों आंकने लगते हैं। मेरे लिए टीवी सबसे बड़ा स्कूल है।

यहां कैमरे के सामने अभिनय करना, लंबी-लंबी लाइन्स याद करना और हर परिस्थिति में बेहतर प्रदर्शन करना सीखने को मिलता है। उन्होंने आगे कहा, टेलीविजन में काम करना आसान नहीं होता, क्योंकि यहां कलाकारों को बहुत कम समय में अपना बेस्ट देना पड़ता है। टीवी में अगले दिन का एपिसोड प्रसारित होना होता है, इसलिए नई स्क्रिप्ट मिलते ही कलाकारों को तुरंत तैयारी करनी पड़ती है और शूटिंग भी करनी होती है। वेब सीरीज में कलाकारों को वर्कशॉप और तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलता है, लेकिन टीवी में काम की रफ्तार कहीं ज्यादा तेज होती है। यही वजह है कि टीवी कलाकारों को हर दिन नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और लगातार मेहनत करनी पड़ती है। पहले टेलीविजन में महिलाओं पर आधारित कहानियां ज्यादा देखने को मिलती थीं, लेकिन अब फिल्मों में भी महिला कलाकारों को मजबूत और अहम किरदार मिलने लगे हैं। महिला प्रधान फिल्मों का अच्छा प्रदर्शन इस बात का सबूत है कि दर्शकों की सोच बदल रही है और इंडस्ट्री महिलाओं को पहले से ज्यादा अवसर दे रही है। सबसे पहले मैं अपना फैन बेस मजबूत करना चाहती हूं, ताकि जब भी किसी रियलिटी शो में हिस्सा लूं, तो जीतने के इरादे से जाऊं।

उन्होंने कहा, मुझे डांस करना बेहद पसंद है, इसलिए झलक दिखला जा मेरे पसंदीदा रियलिटी शोज की लिस्ट में शामिल है। वहीं, खतरों के खिलाड़ी में हिस्सा लेने की इच्छा भी है, लेकिन उससे पहले मैं अपने डर पर काबू पाना चाहती हूं।

सुमंत की फिल्म न्यूटन्स थर्ड लॉ की ट्रेलर रिलीज, 31 जुलाई को होगी रिलीज

सुमंत न्यूटन्स थर्ड लॉ नाम की दिलचस्प फिल्म के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने आ रहे हैं। इस फिल्म को हरीश कोहिरकर और ईटीवी विन ओरिजिनल प्रोडक्शन ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। फिल्म के डायरेक्टर राजेश करना हैं और यह 31 जुलाई को रिलीज होने वाली है।

मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया। ट्रेलर की शुरुआत दिलचस्प तरीके से होती है, जिसमें वासुदेव एक पुलिस ऑफिसर के तौर पर जांच की ज़िम्मेदारी संभालते हैं और यह ट्रेलर रोमांचक एलिमेंट से भरपूर है। इस दिलचस्प ट्रेलर में सुमंत और जगपति बाबू भी नज़र आए।

बैकग्राउंड म्यूज़िक और सिनेमैटोग्राफी ने ट्रेलर को और भी शानदार बना दिया है। म्यूजिक सिंजित येरामिल्ली ने दिया है और सिनेमैटोग्राफी वेदा व्यास गोट्टीपति ने की है।

यह फिल्म मार्क माई वर्ड्स एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाई गई है। रवि वर्मा, नेहा पठान और कार्तिक रत्नम फिल्म में अहम भूमिकाओं में हैं, जबकि शैली कुमार, गौतम पंडिती, हरिणी राव और रूपेश मर्रापु सपोर्टिंग रोल में हैं।

प्रशांत नील की हॉरर फिल्म 418 का ट्रेलर टला, निर्माता ने फैंस से किया ये वादा

मैथ्री मूवी मेकर्स ने कीर्तन नाडागौडा की डायरेक्ट की हुई हॉरर-थ्रिलर फिल्म 418 द फिल्म के ट्रेलर लॉन्च को टाल दिया है। स्टूडियो ने सोशल मीडिया पर इस देरी की जानकारी देते हुए कहा, कुछ दरवाज़े सही समय पर ही खोलना बेहतर होता है। ट्रेलर की नई तारीख़ जल्द ही बताई जाएगी।

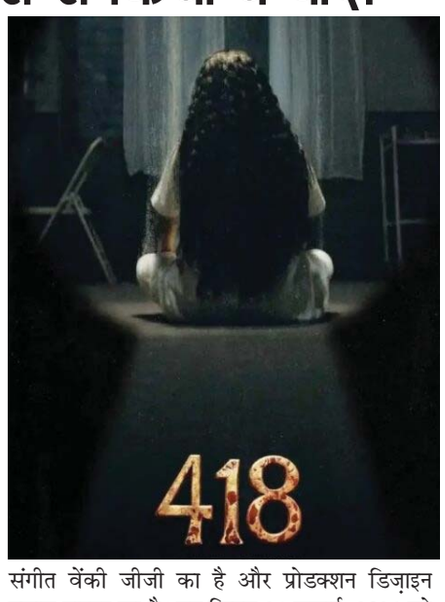

इस फिल्म में सूर्या राज, चरण लक्काराजू और प्रीति पगडल मुख्य भूमिकाओं में हैं। प्रशांत नील द्वारा पेश की गई और नवीन यरनेनी और वाई रवि शंकर द्वारा प्रोड्यूस की गई यह फिल्म दर्शकों को एक ज़बरदस्त अनुभव देने का वादा करती है। फिल्म की टीम ने कहा, हम आपके प्यार को डर के रूप में वापस देंगे।

418 द फिल्म का मकसद सस्पेंस और टेंशन के साथ साइकोलॉजिकल हॉरर का अनुभव देना है। मेकर्स का कहना है कि यह फिल्म कॉमेडी-हॉरर से आगे बढ़कर असली डर पैदा करती है। इसकी कहानी डर पर आधारित है और इसे भारत और विदेशों में थिएटर में हॉरर का अनुभव देने के लिए बनाया गया है। इसकी सिनेमैटोग्राफी दिनेश दिवाकर ने की है, संगीत वेंकी जीजी का है और प्रोडक्शन डिज़ाइन उल्लास हाइदूर का है। यह फिल्म 31 जुलाई, 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है। मैथ्री के सपोर्ट और नील की प्रस्तुति के कारण, कन्नड़-तेलुगु द्विभाषी थ्रिलर फिल्म से काफी उम्मीदें हैं।

शेविंग के बाद त्वचा पर हो जाते हैं लाल चकत्ते या दाने? न करें ये गलतियां

शेविंग एक आम प्रक्रिया है, जिसका इस्तेमाल लोग शरीर के अनचाहे बालों को हटाने के लिए करते हैं। हालांकि, कई बार शेविंग के बाद त्वचा पर लाल चकत्ते या छोटे-छोटे दाने हो जाते हैं, जो काफी असुविधाजनक हो सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं, जिन्हें लोग शेविंग करते समय अनजाने में कर बैठते हैं और इनसे बचकर आप बिना किसी परेशानी के शेविंग कर सकते हैं।

पुराने शेवर का इस्तेमाल करना

कई लोग शेविंग के बाद शेवर को फेंक देते हैं, जबकि कुछ लोग उसे दोबारा इस्तेमाल कर लेते हैं। हालांकि, पुराने शेवर का इस्तेमाल करना सबसे बड़ी गलती है। पुराने शेवर से शेव करने पर त्वचा पर कट लगने की संभावना बढ़ जाती है और इससे लाल चकत्ते या दाने हो सकते हैं।

इसलिए, हमेशा नए शेवर का इस्तेमाल करें, ताकि आपकी त्वचा सुरक्षित रहे और आपको कोई परेशानी न हो।

सूखी त्वचा पर शेविंग करना

गीली त्वचा पर शेविंग करने से बालों को हटाना आसान हो जाता है और इससे त्वचा पर कोई खरोंच या जलन नहीं होती। इसलिए, हमेशा नहाने के बाद या नहाते समय ही शेव करें, क्योंकि इससे न केवल आपके बाल आसानी से हटेंगे, बल्कि आपकी त्वचा भी मुलायम और ताजगी भरी महसूस होगी।

इसके अलावा गीली त्वचा पर शेविंग करने से उस्तरा के इस्तेमाल से होने वाली समस्याओं से भी बचा जा सकता है।

शेविंग क्रीम का इस्तेमाल न करना

शेविंग क्रीम का इस्तेमाल न करने से त्वचा पर जलन या खुजली हो सकती है। शेविंग क्रीम या जेल आपके बालों को मुलायम बनाती है और उस्तरा को आसानी से चलाने में मदद करती है।

इससे आपकी त्वचा भी सुरक्षित रहती है। अगर आप बिना शेविंग क्रीम के शेव करते हैं तो इसके कारण त्वचा पर लाल चकत्ते या दाने हो सकते हैं, जो काफी ज्यादा असुविधाजनक हो सकते हैं।

बहुत अधिक दबाव डालकर शेव करना

बहुत अधिक दबाव डालकर शेव करना भी एक बड़ी गलती है। कई लोग जल्दी-जल्दी बाल हटाने के चक्कर में शेवर पर जोर डाल देते हैं, जिससे त्वचा पर खरोंच लग सकती है या जलन हो सकती है।

हमेशा हल्के हाथों से शेवर चलाएं, ताकि आपकी त्वचा सुरक्षित रहे और आपको कोई परेशानी न हो।

इससे न केवल आपके बाल आसानी से हटेंगे, बल्कि आपकी त्वचा भी मुलायम और ताजगी भरी महसूस होगी।

शेविंग के बाद मॉइस्चराइजर न लगाना

शेविंग के बाद मॉइस्चराइजर लगाना बहुत जरूरी है। इससे आपकी त्वचा को नमी मिलती है और वह मुलायम रहती है। अगर आप शेविंग के बाद मॉइस्चराइजर नहीं लगाते तो आपकी त्वचा रूखी हो सकती है और उसमें खुजली या जलन भी हो सकती है। इसलिए, शेविंग के बाद हमेशा मॉइस्चराइजर लगाएं, ताकि आपकी त्वचा स्वस्थ और ताजगी भरी रहे। इन गलतियों से बचकर आप अपनी शेविंग प्रक्रिया को सुरक्षित और आरामदायक बना सकते हैं।

डिजिटल क्रांति से जगमगाया अबूझमाड़, कलमानार में पहली बार गूंजी मोबाइल की घंटी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। घने जंगलों, दुर्गम पहाड़ियों और अलगाव की पहचान रहे अबूझमाड़ के अंचल में विकास की नई किरण पहुंची है। नारायणपुर जिले के वनांचल में बसे ग्राम कलमानार में मोबाइल टावर की स्थापना के साथ ही संचार क्रांति का एक नया अध्याय शुरू हो गया है। वर्षों से नेटवर्क की तड़प झेल रहे ग्रामीणों के लिए अब अपने घर की चौखट पर ही निर्बाध मोबाइल कनेक्टिविटी और हाई-स्पीड इंटरनेट उपलब्ध है।

ओरछा विकासखंड के कलमानार और समीपस्थ पोकानार जैसे गांव दशकों से बाहरी दुनिया से कटे हुए थे। अपनों का हाल-चाल जानने या एक फोन कॉल करने के लिए भी ग्रामीणों को गांव से दूर ऊंची पहाड़ियों

और पेड़-पौधों के सहारे भटकना पड़ता था। मोबाइल टावर की स्थापना से यह परेशानी इतिहास बन गई है। इस पहल से कलमानार के 144 और पोकानार के 320 नागरिकों समेत कुल 464 ग्रामीणों को सीधा लाभ मिल रहा है। संचार सुविधा केवल बातचीत का साधन नहीं, बल्कि जीवन रक्षा का आधार बनी है। अब एंबुलेंस (108), अस्पताल और डॉक्टरों से तुरंत संपर्क संभव होगा। किसी भी आपदा या आपातकालीन परिस्थिति में ग्रामीण सीधे जिला और पुलिस प्रशासन से जुड़ सकेंगे।

अब गांव का हर नागरिक डिजिटल इंडिया की मुख्यधारा से जुड़ेगा। डिजिटल पेमेंट, ऑनलाइन फॉर्म, बैंकिंग व आधार आधारित सेवाओं के लिए अब शहर नहीं जाना पड़ेगा। घर बैठे योजनाओं की सही जानकारी और लाभ मिलने से बिचौलियों पर निर्भरता खत्म होगी। क्षेत्र के छात्र-छात्राएं अब इंटरनेट के माध्यम से ऑनलाइन पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा विकास

कलेक्टर ने कहा कि अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।कलमानार में टावर की स्थापना सिर्फ नेटवर्क की उपलब्धता नहीं, बल्कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। जल्द ही अन्य दूरस्थ गांवों को भी इस नेटवर्क से जोड़ा जाएगा।

ग्रामीणों के चेहरे पर खिली मुस्कान

गांव में मोबाइल नेटवर्क आते ही ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई है। स्थानीय निवासियों ने शासन और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस पहल ने उनकी जिंदगी बदल दी है। सामाजिक और आर्थिक प्रगति की राह पर तेजी से कदम बढ़ा रहा है।

खास-खबर

कच्ची पाठशाला से पक्के विद्यालय तक- भैरमगढ़ की बेटियों को मिली बेहतर शिक्षा की सौगात

रायपुर। छात्राएं अब पक्के, सुरक्षित और सुविधायुक्त विद्यालय भवन में बेहतर और आधुनिक माहौल में पढ़ाई कर रही हैं, जिससे उनकी शिक्षा और उपस्थिति में सुधार हो रहा है। जिला बीजापुर के विकासखंड भैरमगढ़ में शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। कन्या शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला के नए भवन का निर्माण पूरा हो गया है। कभी कच्चे और अस्थायी भवन में पढ़ाई करने वाली छात्राएं अब पक्के, सुरक्षित और सुविधायुक्त विद्यालय भवन में अध्ययन कर सकेंगी। विद्यालय भवन के अभाव में छात्राओं को लंबे समय तक अस्थायी व्यवस्था में पढ़ाई करनी पड़ती थी। इससे उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग (डीपीआई) द्वारा नए विद्यालय भवन के निर्माण को स्वीकृति दी गई।

सेवा सेतु से मिल रही त्वरित और सुगम सेवाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सेवा सेतु पहल के माध्यम से शासन की नागरिक सेवाएं अब पहले से अधिक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध हो रही हैं। इससे नागरिकों को शासकीय कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने से राहत मिल रही है तथा आवश्यक दस्तावेज निर्धारित समय-सीमा में सहजता से प्राप्त हो रहे हैं। सेवा सेतु के माध्यम से शासन की विभिन्न नागरिक सेवाओं को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराकर लोगों को त्वरित एवं सुगम सुविधा प्रदान की जा रही है। इस व्यवस्था से दस्तावेजों के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता समाप्त हो रही है तथा निर्धारित समय-सीमा में आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। सेवा वितरण की इस प्रभावी प्रणाली से शासन-प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है। आवेदन प्रक्रिया के दौरान उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। निर्धारित समय-सीमा में आवेदन का निराकरण करते हुए उन्हें जाति, निवास एवं आय प्रमाण पत्र उपलब्ध करा दिए गए।

आईआईटीएम बेंगलुरु में छत्तीसगढ़ पर्यटन का दमदार प्रदर्शन
राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर सशक्त हुई प्रदेश की पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल प्रदेश की प्राकृतिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं जनजातीय पर्यटन विरासत को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। इसी क्रम में भारत के प्रतिष्ठित पर्यटन व्यापार मेले इंडिया इंटरनेशनल ट्रैवल मार्ट (आईआईटीएम) बेंगलुरु में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल ने अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराते हुए प्रदेश की समृद्ध पर्यटन संभावनाओं, निवेश के अवसरों और विशिष्ट पर्यटन उत्पादों का आकर्षक प्रदर्शन किया। इस सहभागिता ने छत्तीसगढ़ को देश के उभरते हुए पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्रदान की।

आईआईटीएम बेंगलुरु में आयोजित इस प्रतिष्ठित आयोजन में कर्नाटक के ऊर्जा एवं पर्यटन मंत्री के. जे. जॉर्ज की गरिमामयी उपस्थिति रही। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल की उप महाप्रबंधक पूनम शर्मा ने राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश की पर्यटन नीति, पर्यटन अधोसंरचना, निवेश की संभावनाओं तथा विभिन्न पर्यटन परियोजनाओं का प्रभावी प्रस्तुतीकरण किया। इस अवसर पर

कर्नाटक पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक ने छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के स्टॉल का अवलोकन किया तथा पर्यटन निवेश, सांस्कृतिक पर्यटन, जनजातीय पर्यटन, इको-टूरिज्म, धार्मिक पर्यटन और विरासत पर्यटन को बढ़ावा देने के संबंध में विस्तृत एवं सार्थक चर्चा की।

पूनम शर्मा ने बस्तर के एथनिक ट्राइबल टूरिज्म, विश्वप्रसिद्ध घड़वा शिल्पकला, रामनामी समुदाय की विशिष्ट सांस्कृतिक परंपरा, इको-टूरिज्म, धार्मिक पर्यटन तथा छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों की विशेषताओं से उपस्थित प्रतिनिधियों और पर्यटन व्यवसायियों को अवगत कराया। उन्होंने देशभर से आए टूर ऑपरेटर्स, ट्रैवल एजेंसियों एवं पर्यटन विशेषज्ञों को छत्तीसगढ़ भ्रमण के लिए आमंत्रित करते हुए प्रदेश की अद्वितीय प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विविधता और पर्यटन सुविधाओं की जानकारी भी साझा की।

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के आकर्षक स्टॉल में चित्रकोट जलप्रपात, तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, बस्तर की जनजातीय संस्कृति, सिरपुर, भोरमदेव, राम वन गमन पर्यटन परिपथ, वन्यजीव पर्यटन, इको-टूरिज्म, होम-स्टे नीति तथा राज्य के अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों और योजनाओं को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया। प्रदेश की प्राकृतिक छटा, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जनजातीय जीवनशैली ने देशभर से आए पर्यटन विशेषज्ञों, ट्रैवल एजेंसियों, निवेशकों तथा आगंतुकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया।

इस आयोजन में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल से पंजीकृत 15 टूर ऑपरेटर्स एवं होटलियर्स ने भी सक्रिय सहभागिता की। इन संस्थाओं ने देशभर के विभिन्न टूर ऑपरेटर्स, ट्रैवल एजेंसियों तथा पर्यटन उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ बिजनेस-टू-बिजनेस बैठकों में भाग लेकर नए व्यावसायिक संपर्क स्थापित किए। इन बैठकों के माध्यम से पर्यटन पैकेज, होटल सेवाओं, यात्रा संचालन तथा भविष्य के व्यावसायिक सहयोग की व्यापक संभावनाओं पर सकारात्मक चर्चा हुई, जिससे प्रदेश के पर्यटन उद्योग को नई गति मिलने की उम्मीद है।

पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा कि छत्तीसगढ़ को देश के अग्रणी पर्यटन राज्यों में स्थापित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रदेश की प्राकृतिक धरोहर, जनजातीय संस्कृति, धार्मिक आस्था, ऐतिहासिक विरासत और साहसिक पर्यटन की अपार संभावनाओं को राष्ट्रीय एवं वैश्विक मंचों पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है।

आत्म-नियंत्रण और मेडिटेशन ही आज के युवाओं की सबसे बड़ी अंतःशक्ति - मनोज दयाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर तथा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आत्म-नियंत्रण से अंत:शक्ति का जागरण विषय पर एक दिवसीय प्रेरणादायी कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों को मेडिटेशन, सकारात्मक चिंतन, मानसिक संतुलन और व्यक्तित्व विकास का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. मनोज दयाल ने कहा कि आज तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सोशल मीडिया की इस दुनिया में सूचनाओं की भरमार है, लेकिन इसके साथ ही युवाओं में तुलना, चिंता और मानसिक अशांति भी बढ़ रही है। पत्रकारिता शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री और कौशल देना नहीं, बल्कि चरित्र, संस्कार और मानवीय मूल्यों का रोपण करना है। भविष्य के मीडिया कर्मियों के सामने टीआरपी की अंधी दौड़, फेक न्यूज, नकारात्मकता और अहंकार जैसी चार बड़ी चुनौतियां हैं। इनसे निपटने का एकमात्र रास्ता आत्म-नियंत्रण और आंतरिक शक्ति का जागरण है।

उन्होंने ब्रह्माकुमारीज द्वारा बताए गए तीन सरल सूत्रों संकल्पों पर नियंत्रण, वाणी पर नियंत्रण तथा समय और आदतों पर नियंत्रण—को जीवन में उतारने और नियमित मेडिटेशन अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी ज्योति दीदी ने कहा कि क्रोध का सबसे बड़ा कारण दूसरों से अत्यधिक अपेक्षाएं रखना है। यदि हम हर परिस्थिति में स्वयं से पूछें कि 'क्रोध से मुझे क्या मिलेगा', तो मन तुरंत शांत होने लगता है।

अजोला से संवरी आजीविका: धमतरी की बिहान दीदियों ने प्राकृतिक खेती और आत्मनिर्भरता का रचा नया इतिहास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। तालाबों और जलाशयों के शांत पानी पर तैरने वाली हरी-भरी अजोला को अमूमन लोग एक साधारण जलीय घास समझकर अनदेखा कर देते हैं। लेकिन छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले (नगरी विकासखंड) की ग्राम पंचायत अमाली की आदिवासी बिहान स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने इसी अजोला को अपनी आजीविका, आर्थिक स्वावलंबन और प्राकृतिक खेती का मुख्य आधार बना दिया है। वैज्ञानिक सोच, उचित प्रशिक्षण और अटूट सामूहिक प्रयास के बल पर इन महिलाओं द्वारा शुरू की गई यह पहल आज पूरे राज्य के लिए एक अनुकरणीय और प्रेरणादायक मॉडल बनकर उभर रही है।

अमाली पंचायत की कृषि सखी और 'बिहान' समूह की सक्रिय सदस्य श्रीमती अनिता बाई मरकाम बताती हैं कि शुरुआत में उन्हें अजोला के व्यावसायिक और कृषि उपयोग की जानकारी नहीं थी।पशुपालन विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम से जुड़ने के बाद उन्हें अजोला का बीज (कल्चर) प्राप्त हुआ।

अनुकूल मार्गदर्शन और वैज्ञानिक विधि अपनाते हुए उन्होंने अपने घर के छोटे-छोटे टैंकों में अजोला का उत्पादन शुरू किया। नियमित देखभाल और स्वच्छता के बल पर वे अब तक 25 किलोग्राम से अधिक अजोला का सफल उत्पादन कर चुकी हैं और अब बड़े पैमाने पर इसका विस्तार करने की दिशा में अग्रसर हैं। समूह द्वारा उत्पादित अजोला का मुख्य उपयोग धान की फसल में जैविक पूरक के रूप में किया जा रहा है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, अजोला के प्रयोग से ?मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि होता है।खेत में नाइट्रोजन की मात्रा प्राकृतिक रूप से बढ़ती है। यह मिट्टी में नमी बनाए रखने में मददगार है। रासायनिक खाद और उर्वरकों पर किसानों की निर्भरता काफी कम हुई है।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को मिल रहा आत्मनिर्भरता का संबल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार शिक्षा को केवल विद्यालय तक सीमित न रखकर प्रत्येक बच्चे के जीवन में समान अवसर, सम्मान और आत्मनिर्भरता का माध्यम बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

प्रदेश में समावेशी शिक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विशेष आवश्यकता वाले बच्चों तक आवश्यक सुविधाएं और सहायक उपकरण पहुंचाने का अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के विकासखंड संसाधन केंद्र गौरेला द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बालक अयांश को चलने-फिरने में सुविधा और आत्मनिर्भरता प्रदान करने के लिए वॉकर उपलब्ध कराया गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सोच है कि विकास का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होगा, जब समाज का सबसे कमजोर और विशेष

सहयोग की आवश्यकता रखने वाला व्यक्ति भी शासन की योजनाओं का समान रूप से लाभ प्राप्त करे। इसी भावना के अनुरूप प्रदेश सरकार विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सहायक उपकरण, पुनर्वास सेवाएं, विशेष शिक्षण, चिकित्सकीय सहयोग तथा अनुकूल शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

अयांश को वॉकर उपलब्ध कराए जाने से उसके जीवन में नई उम्मीद का संचार हुआ है। अब वह अधिक सहजता से चल-फिर सकेगा, विद्यालय की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभा सकेगा और अपने दैनिक कार्य भी पहले की अपेक्षा अधिक आत्मविश्वास के साथ कर पाएगा। उसकी मुस्कान इस बात का प्रमाण है कि शासन की छोटी-सी संवेदनशील पहल भी किसी परिवार के जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकती है। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी रजनीश तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य शासन का संकल्प है कि कोई भी बच्चा अपनी शारीरिक चुनौतियों के कारण शिक्षा और विकास के अवसरों से वंचित न रहे। प्रत्येक विशेष आवश्यकता वाले बच्चे की जरूरत के अनुरूप सहायक उपकरण उपलब्ध कराना, उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ना और आत्मनिर्भर बनाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि वॉकर जैसे सहायक उपकरण बच्चों के लिए केवल एक साधन नहीं, बल्कि उनके आत्मविश्वास, स्वाभिमान और स्वतंत्र जीवन की नई शुरुआत होते हैं।

ई-ऑफिस एवं समयबद्ध उपस्थिति में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित

विभागाध्यक्ष कार्यालयों और जिलों में भी हर माह आयोजित होंगे सम्मान कार्यक्रम- मुख्य सचिव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील ने मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर में आयोजित मासिक सम्मान कार्यक्रम में ई-ऑफिस के माध्यम से फाइलों (नस्तियों) के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण तथा समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित करने वाले मंत्रालयीन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जून माह के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मंत्रालय के अधिकारी-कर्मचारी, सभी विभागाध्यक्ष तथा प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि मंत्रालय की तर्ज पर विभागाध्यक्ष कार्यालयों एवं जिला स्तर पर भी हर माह उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए नियमित सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। 100 प्रतिशत डिजिटल ऑनबोर्डिंग: ई-एचआरएमएस , स्पैरो और ई-ऑफिस प्रणालियों में सभी अधिकारी-कर्मचारियों की शत-प्रतिशत ऑनबोर्डिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। ऑनलाइन एसीआर व बायोमेट्रिक उपस्थिति: वर्ष 2025-26 के लिए वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन (एसीआर) ऑनलाइन भरने और आधार-सक्षम बायोमेट्रिक प्रणाली से उपस्थिति दर्ज कराने को अनिवार्य किया गया है।

राज्य स्तर पर पुरस्कार: अगले माह से ई-ऑफिस में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विभागाध्यक्ष कार्यालय और सर्वश्रेष्ठ जिला कार्यालय को राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। 1 अप्रैल 2026 से 31 जुलाई 2026 तक की अवधि का संचयी आकलन कर स्कोरबोर्ड और जिलों/विभागों की रैंकिंग जारी की जाएगी।

विभागीय श्रेणी प्रथम लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, द्वितीय गृह विभाग, तृतीय वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को सम्मानित किया गया इसी प्रकार अधिकारी श्रेणी में शीर्ष स्थान प्राप्तकर्ता संयुक्त सचिव श्रेणी में भूपेन्द्र कुमार राजपूत (आदिम जाति विकास) - प्रथम, अनुपम त्रिवेदी (अ.जनजाति विकास) - द्वितीय, सच्चिदानंद आलोक (पंचायत एवं ग्रामीण विकास) - तृतीय। उप सचिव श्रेणी में दूरदेशी राम सोन्टापर (वन एवं जलवायु परिवर्तन)-प्रथम, शिव कुमार सिंह (वाणिज्यिक कर) -द्वितीय, किशोर कुमार भूआर्य (सामान्य प्रशासन-1) - तृतीय स्थान पर रहे, जिन्हे सम्मानित किया गया।

अवर सचिव श्रेणी में पूरन लाल साहू (गृह) -प्रथम, मगन लाल पवार (वाणिज्य एवं उद्योग) -द्वितीय, अरुण कुमार मिश्रा (विधि एवं विधायी कार्य) -तृतीय, अनुभाग अधिकारी श्रेणी में नंद कुमार मेश्राम (सामान्य प्रशासन-1) -प्रथम, शिवकुमार गोंड (पंचायत एवं ग्रामीण विकास) -द्वितीय, वीरेन्द्र कुमार (स्वास्थ्य विभाग) -तृतीय स्थान पर रहे, विशेष सम्मान सहायक अनुभाग अधिकारी श्रेणी में आलोक जोशी (आई टी विभाग) तथा वरिष्ठ सचिवालय सहायक श्रेणी में सु ललिता राय (चिकित्सा शिक्षा विभाग) को सम्मानित किया गया।

कनिष्ठ सचिवालय सहायक में उमेश यादव - प्रथम, प्रभु सिंह राठिया - द्वितीय, सतकुमार भास्कर -तृतीय, कम्प्यूटर ऑपरेटर श्रेणी में अभिषेक दास -प्रथम, मती माया देवांगन -द्वितीय, अमित हूमाने -तृतीय, इसके अलावा, समयबद्ध कार्यालयीन उपस्थिति के लिए उप सचिव मती क्लेमेनटिना लकड़ा, अवर सचिव मती दिव्या वैष्णव सहित 19 अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों को भी प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नागरिक सुविधाओं को नई पहचान दे रहे सेवा सेतु केंद्र

रायपुर। राज्य शासन द्वारा कई तरह की शासकीय सेवाएं एक ही स्थान पर सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के ''सेवा सेतु केंद्र'' संचालित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से जाति, निवास, आय, विवाह, जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र सहित अनेक आवश्यक सेवाओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है, जिससे लोगों के समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है तथा शासन की सेवाओं तक उनकी पहुंच और अधिक सुगम बन रही है। बिलासपुर के मस्तुरी विकासखंड के सेवा सेतु केंद्र में शुभम यादव ने विवाह प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था। आवेदन प्राप्त होने के बाद आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए उनका विवाह प्रमाण पत्र शीघ्र तैयार कर उपलब्ध करा दिया गया।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

धुरली के पास तड़के पलटी यात्रियों से भरी बस 10-12 लोग घायल

दंतेवाड़ा। जिले में मंगलवार तड़के यात्रियों से भरी एक बस के अनियंत्रित होकर पलटने से बड़ा सड़क हादसा हो गया। हादसा भांसी थाना क्षेत्र के धुरली के पास सुबह करीब साढ़े चार बजे हुआ। दुर्घटना में बस सवार करीब 10 से 12 यात्रियों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि महेंद्रा ट्रेवल्स की बस यात्रियों को लेकर जा रही थी। इसी दौरान धुरली के पास अचानक बस अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही भांसी के जवान तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। जवानों ने बस में फंसे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। कुछ घायलों को दंतेवाड़ा जिला अस्पताल, जबकि अन्य को बचेली अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फ्लिहाल सभी घायलों का उपचार जारी है। हादसे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

ई-रिक्शा से 1.74 लाख की चोरी, 8 घंटे में पकड़ाया शातिर चोर

रायपुर। राजधानी रायपुर में ई-रिक्शा से 1.74 लाख रूपए की चोरी के मामले में पुलिस ने महज 8 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी के कब्जे से चोरी की रकम में से 1 लाख नकद बरामद कर लिया गया है। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी वर्ष 2025 में माना थाना क्षेत्र में 2.70 लाख रुपए की चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार चल रहा था। अब उस मामले में भी उसकी गिरफ्तारी की जाएगी। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त (उत्तर) दीपमाला कश्यप के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा गुढियारी थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने की। पुलिस के मुताबिक, गुढियारी निवासी ब्रजेश साव 25 जुलाई को अपनी ई-रिक्शा से किराना सामान खरीदने गुढियारी पड़ाव पहुंचे थे। उनके पास 2 लाख रुपए नकद थे। खरीदारी के दौरान उन्होंने करीब 26 हजार रुपए का सामान खरीदा और शेष 1.74 लाख रुपए एक सफेद रंग के चेन वाले बैग में रखकर ई-रिक्शा के डैशबोर्ड में छोड़ दिया। भुगतान करने पहुंचे तो बैग गायब मिला। शिकायत पर गुढियारी थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें एक संदिग्ध व्यक्ति ई-रिक्शा से रुपये से भरा बैग निकालते हुए दिखाई दिया। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी की पहचान मोहम्मद शाहिद उर्फ मुर्गी, निवासी संजय नगर, टिकरापारा के रूप में हुई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे घटना के महज 8 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की वारदात कबूल कर ली।

दुर्ग पुलिस की बड़ी कार्रवाईः 1000 नशीली टैबलेट के साथ तस्कर गिरफ्तार, कार भी हुआ जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नशीली टेबलेट अल्प्राजोलम के तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी को अल्प्राजोलम टैबलेट बिक्री के लिए ग्राहक का इंतजार कर करते पुलिस ने पकड़ा।

आरोपी के कब्जे से 1000 नग अल्प्राजोलम टैबलेट, एक लाख नगदी, मारुति सुजुकी स्विफ्ट डिजायर कार तथा एक मोबाइल सहित कुल 8,05,000 मूल्य की सामग्री जब्त की गई। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। बता दें दुर्ग पुलिस द्वारा मादक पदार्थों की अवैध तस्करी एवं बिक्री के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत लगातार प्रभावी वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। थाना कुम्हारी क्षेत्रांतर्गत रामपुर चौराहा चौक, अहिवारा रोड कुम्हारी के पास एक व्यक्ति द्वारा मारुति सुजुकी स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक छत्त-25-0516 के साथ अवैध रूप से नशीली अल्प्राजोलम टैबलेट बिक्री हेतु ग्राहक का इंतजार किए जाने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर थाना कुम्हारी पुलिस द्वारा तत्काल घेराबंदी कर रेड कार्यवाही की गई।

मौके पर मो. अनवर (43) निवासी केवल्य पार्क एलआईजी-31, ग्राम परसदा, थाना कुम्हारी को कार सहित पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 20 पत्तों में कुल 1000 नग अल्प्राजोलम टैबलेट, नगदी एवं अन्य सामग्री बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी द्वारा अवैध रूप से अल्प्राजोलम टैबलेट अपने कब्जे में रखना स्वीकार किया गया। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

उक्त कार्यवाही में थाना कुम्हारी पुलिस स्टाफ एवं ष्टष्ट टीम की त्वरित एवं प्रभावी भूमिका रही, जिन्होंने सूचना प्राप्त होते ही योजनाबद्ध कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार कर मादक पदार्थ सहित अन्य सामग्री जप्त की। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि मादक पदार्थों एवं अन्य नशीले पदार्थों के अवैध संग्रहण, परिवहन एवं बिक्री जैसी गतिविधियों से दूर रहें। ऐसी किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

भिलाई स्टील प्लांट के प्लेट मिल में फैला करंट, चपेट में आया कर्मचारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट के प्लेट मिल अचानक करंट फैलने से कर्मचारी चपेट में आ गया। विद्युत शॉक की सूचना मिलते ही इलेक्ट्रिकल शिफ्ट प्रभारी वी. रवि किरण ने प्रभावित क्षेत्र की तत्काल बैरिकेडिंग सुनिश्चित कर मुख्य महाप्रबंधक (प्लेट मिल) कार्तिकेय बेहेरा सहित संबंधित विभागों को सूचित किया। सूचना प्राप्त होते ही एंबुलेंस, सिविल डिफेंस, अग्निशमन सेवा, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) तथा अन्य आपातकालीन दल निर्धारित आपदा प्रबंधन प्रक्रिया के अनुरूप घटनास्थल पर पहुंचे और सफलतापूर्वक राहत कार्य संपन्न किया।

दरअसल यह कोई वास्तविक घटना नहीं थी बल्कि सुरक्षित कार्य करने व विद्युत दुर्घटनाओं से प्रभावी ढंग से निपटने की तैयारियों का आकलन करने के उद्देश्य से प्लेट मिल के मोटर रूम में व्यापक मॉक ड्रिल आयोजित की गई। अभ्यास के दौरान विद्युत शॉक की काल्पनिक घटना का परिदृश्य तैयार कर त्वरित बचाव, प्राथमिक उपचार तथा विभिन्न आपातकालीन एजेंसियों के समन्वित संचालन का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया।

मॉक ड्रिल के दौरान असेंबली प्वाइंट पर आयोजित संबोधन में मुख्य महाप्रबंधक (प्लेट मिल) कार्तिकेय बेहेरा ने कहा कि किसी भी आपातकालीन स्थिति में समयबद्ध, समन्वित और प्रशिक्षित प्रतिक्रिया ही दुर्घटना के प्रभाव को न्यूनतम करने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने तथा ऐसे अभ्यासों से प्राप्त अनुभवों को दैनिक कार्य व्यवहार में शामिल करने का आह्वान किया।

मॉक ड्रिल के उपरांत प्लेट मिल कॉन्फ्रेंस हॉल में समीक्षा एवं संवाद सत्र आयोजित किया गया, जिसमें अभ्यास के विभिन्न पहलुओं का विस्तृत मूल्यांकन करते हुए आपातकालीन तैयारियों को और अधिक प्रभावी बनाने के सुझावों पर चर्चा की गई। समापन अवसर पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सुरक्षा के प्रति सतत सजग रहने और सुरक्षित कार्य व्यवहार अपनाने का संकल्प लिया।

मॉक ड्रिल में सिविल डिफेंस से मनीष कुमार, अग्निशमन सेवा से अभिषेक कुमार, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) से के. श्रीनिवासन राव, सुरक्षा विभाग से तपन कुमार नायक, स्वास्थ्य विभाग से दिनेश, प्लेट मिल के महाप्रबंधक एवं विभागीय सुरक्षा अधिकारी प्रवीण चौकसे, सुरक्षा अधिकारी दीपक पारया, तकनीकी सहायक अरुण अग्रवाल, इलेक्ट्रिकल विभाग प्रमुख सी. पद्मनाभन, यांत्रिकी विभाग प्रमुख जे. सुधाकर, प्रचालन प्रमुख संजय त्रिपाठी, सुरक्षा प्रशिक्षक सत्य नारायण मेहर सहित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

बिलासपुर में होटल के कमरे में मिली युवक की लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में इंटरसिटी होटल के कमरे में युवक की फंदे पर लटकी लाश मिली है। युवक के मोबाइल में सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने लिखा- भगवान मुझे बुला रहे हैं, इसलिए मैं जा रहा हूं। पुलिस आत्महत्या मानकर मामले की जांच कर रही है। हालांकि, युवक ने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। घटना तोरवा थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, सरकंडा के कुर्मी भवन के पास रहने वाला शिव शंकर शर्मा (23) शनिवार को जगमल चौक स्थित होटल इंटरसिटी इंटरनेशनल में ठहरा था। होटल प्रबंधन ने उसे कमरा नंबर 205 दिया था। रात में उसने कमरे में ही खाना मंगवाया था। रविवार सुबह होटल स्टाफ सफाई के लिए कमरे में पहुंचा, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। दोपहर तक युवक के बाहर नहीं आने पर होटल मैनेजर ने इसकी सूचना तोरवा पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस की मौजूदगी में होटल कर्मचारियों की मदद से कमरे का दरवाजा तोड़ा गया। अंदर शिव शंकर पंखे से चुन्नी के सहारे फंदे पर लटका मिला। पुलिस ने शव का पंचनामा और पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद शव रिश्तेदारों को सौंप दिया गया। पुलिस ने कमरे की जांच के दौरान युवक का मोबाइल बरामद किया।

अवैध उर्वरक परिवहन पर सरकार की सख्ती संयुक्त कार्रवाई में 3 मीट्रिक टन डीएपी खाद जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने तथा उर्वरकों के अवैध परिवहन, भंडारण और कालाबाजारी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए प्रदेशभर में कार्रवाई तेज कर दी गई है। इसी क्रम में बलरामपुर जिले में कृषि विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बिना वैध दस्तावेजों के परिवहन किए जा रहे 3 मीट्रिक टन (60 बोरी) डीएपी खाद तथा एक पिकअप वाहन को जब्त किया है।

कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में गठित संयुक्त टीम द्वारा यह कार्रवाई विकासखंड वाड्रफनगर के ग्राम रघुनाथनगर में की गई। जांच के दौरान पिकअप वाहन क्रमांक यूपी 64 टी 3538 में 60 बोरी डीएपी खाद परिवहन करते पाया गया। वाहन चालक अशोक कुमार से परिवहन संबंधी वैध दस्तावेज मांगे जाने पर वह कोई भी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

दस्तावेजों के अभाव में उर्वरक के अवैध परिवहन की पुष्टि होने पर पुलिस एवं कृषि विभाग की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए खाद सहित पिकअप वाहन को जब्त कर लिया। कार्रवाई में थाना प्रभारी धीरेन्द्र तिवारी, उर्वरक निरीक्षक भूपेश गुप्ता, वरिष्ठ विकास अधिकारी तथा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी (आरएईओ) सहित कृषि विभाग और पुलिस के अधिकारी उपस्थित रहे।

लोहारा पुलिस को मिली बड़ी सफलताः पत्नी एवं उसके चचेरे भाई ने मिलकर की थी हत्या, 24 घंटे के भीतर दोनों गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। कबीरधाम जिला के थाना लोहारा पुलिस ने हत्या के एक अंधे कत्ल की गुत्थी को महज 24 घंटे के भीतर सुलझाते हुए मृतक की पत्नी एवं उसके चचेरे भाई को गिरफ्तार करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। आरोपियों ने घरेलू विवाद तथा पति के अत्यधिक शराब सेवन से परेशान होकर योजनाबद्ध तरीके से हत्या की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त पत्थर, स्कूटी एवं अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य भी बरामद किए हैं।

प्रकरण का संक्षिप्त विवरण दिनांक 26 जुलाई 2026 को प्रातः लगभग 7:30 बजे प्रार्थी तुलेश साहू (पिता- महेश साहू, उम्र 27 वर्ष, निवासी बासिनझोरी, थाना लोहारा) ने थाना उपस्थित होकर सूचना दी कि ग्राम के एक व्यक्ति द्वारा फोन पर जानकारी मिली कि उसके पिता महेश साहू का शव लोहारा के बानो रोड स्थित दुकान के पास पड़ा हुआ है। मौके पर पहुंचकर देखने पर मृतक के चेहरे, दोनों हाथों की कोहनियों, दोनों पैरों के पंजों से रक्तस्राव हो रहा था तथा सिर के पीछे गंभीर चोट के निशान एवं कमर के नीचे घसीटे जाने के चिन्ह दिखाई दिए। रिपोर्ट पर थाना लोहारा में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 103/2026, धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में गठित हुई विशेष टीम मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित पटेल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल के मार्गदर्शन तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी संजय ध्रुव के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष मिश्रा द्वारा तत्काल फेरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल का वैज्ञानिक निरीक्षण कराया गया। साथ ही अज्ञात आरोपी की तलाश एवं साक्ष्य संकलन के लिए अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया। घटनास्थल से रक्तरंजित पत्थर, कपड़े एवं अन्य भौतिक साक्ष्य जब्त कर तकनीकी एवं वैज्ञानिक आधार पर जांच आगे बढ़ाई गई।

विवेचना के दौरान मृतक की पत्नी नीता साहू (उम्र 35 वर्ष) से गहन पूछताछ की गई। पूछताछ एवं मेमोरेंडम कथन में उसने स्वीकार किया कि दिनांक 25 जुलाई 2026 को वह अपने चचेरे भाई ओदराम साहू के साथ स्कूटी से अपने पति के पास ग्राम बासिनझोरी आई थी। रात में पति द्वारा अत्यधिक शराब सेवन करने एवं लगातार विवाद करने के कारण दोनों के बीच झगड़ा हुआ। बाद में लोहारा पहुंचने पर भी मृतक ने पुनः शराब पी और विवाद करने लगा। इससे तंग आकर नीता साहू ने अपने चचेरे भाई की मदद से पति को पकड़वाया और पास में पड़े पत्थर से उसके सिर पर प्राणघातक वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से महेश साहू मौके पर अचेत होकर गिर गया, जिसके बाद दोनों आरोपियों ने शव को घसीटकर सड़क किनारे छोड़ दिया।

रायपुर में 70 लाख की चोरी का 12 घंटे में खुलासा, घरेलू रसोइया समेत 2 आरोपी नागपुर से गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के पंडरी थाना क्षेत्र स्थित अशोका आईकन में कारोबारी के घर हुई करीब 70 लाख रुपये की चोरी का पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। मामले में घरेलू रसोइया महेन्द्र कुमार यादव और उसके साथी पिंटू यादव उर्फ अभिषेक यादव को नागपुर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया है।

आरोपियों के कब्जे से 51.50 लाख रुपये नकद, सोने-चांदी के जेवरात, गिन्नी, सिक्के, पेन ड्राइव और महत्वपूर्ण दस्तावेज समेत पूरी चोरी की संपत्ति बरामद कर ली गई है।पुलिस के अनुसार, कारोबारी पंकज अग्रवाल 26 जुलाई को परिवार के साथ नया रायपुर गए थे। घर में उनका घरेलू रसोइया महेन्द्र यादव मौजूद था। शाम को लौटने पर घर का पिछला दरवाजा खुला मिला और अलमारी व लॉकर से नगदी, जेवरात और अन्य कीमती सामान गायब था। शिकायत पर पंडरी थाना पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें महेन्द्र यादव बैग लेकर घर से निकलता दिखाई दिया। उसके साथ एक अन्य युवक भी था। तकनीकी जांच में पता चला कि दोनों रायपुर रेलवे स्टेशन से समता एक्सप्रेस में सवार होकर नागपुर भाग गए हैं। सूचना मिलते ही रायपुर पुलिस ने आरपीएफ नागपुर की मदद से रेलवे स्टेशन पर घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ में महेन्द्र यादव ने बताया कि उसने अपने साथी पिंटू यादव के साथ मिलकर चोरी की साजिश रची थी। परिवार के बाहर जाने का फायदा उठाकर दोनों ने घर से नकदी और जेवरात चोरी किए। वारदात के बाद बाइक से घड़ी चौक पहुंचे, वहां वाहन खड़ा कर किराये की गाड़ी से रेलवे स्टेशन पहुंचे और समता एक्सप्रेस से नागपुर फरार हो गए।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की पूरी मशरूका, दो मोबाइल फोन और अन्य सामान जब्त कर लिया है। दोनों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। यह कार्रवाई डीसीपी (क्राइम) स्मृतिक राजनाला और डीसीपी (उत्तर) दीपमाला कश्यप के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा पंडरी थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने की।

NAME CHANGE

It is informed to the General Public that I, **RENU CHAND SINGH** W/o **BALRAM CHAND**, Resident of : H.No. 44, Adarsh Marg, Ramnagar, Supela, Bhilai. Distt-Durg (C.G.) 490023 have changed my old name to new name i.e. **RENU SINGH** W/o **BALRAM CHAND** so that I should be recognized by my new name that is **RENU SINGH** W/o **BALRAM CHAND** in all Government and other documents.

RENU SINGH
H.No. 44, Adarsh Marg, Ramnagar, Supela, Bhilai. Distt-Durg (C.G.) 490023

41 जगहों पर एक साथ नाकेबंदी, 5 हजार से ज्यादा वाहनों की जांच, चोरी की स्कूटी बरामद

रायपुर। अपराधों पर लगाम लगाने और संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने सोमवार रात शहर में बड़े स्तर पर विशेष नाकेबंदी और सघन चेकिंग अभियान चलाया। मध्य, उत्तर और पश्चिम जोन के 41 चिन्हित स्थानों पर रात 8 बजे से 11:30 बजे तक एक साथ चले अभियान में पुलिस ने 5 हजार से अधिक वाहनों और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला के निर्देश पर चलाए गए अभियान के दौरान बिना नंबर, फैंसी और नियम विरुद्ध नंबर प्लेट वाले वाहनों के साथ संदिग्ध वाहनों की भी जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ ई-चालान की कार्रवाई की गई।

गांवों के समग्र विकास से ही विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प होगा साकार : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री साय ने जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में दिए विकास के स्पष्ट मंत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ग्राम पंचायतों को केवल योजनाओं के क्रियान्वयन की इकाई नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन, आर्थिक समृद्धि और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के केंद्र के रूप में विकसित करना होगा। यदि ग्राम पंचायतें सशक्त हों, गांव आत्मनिर्भर बनें और प्रत्येक ग्रामीण विकास की प्रक्रिया का सहभागी बने, तभी विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प वास्तविक रूप ले सकेगा।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नवा रायपुर स्थित एसआईआरडी परिसर, निमोरा में आयोजित प्रदेश के सभी जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक एवं कार्यशाला को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सुशासन का वास्तविक अर्थ यही है कि शासन की योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। ग्राम पंचायतें जनभागीदारी के माध्यम से आत्मनिर्भर गांव बनाने का सबसे प्रभावी मंच हैं। अधिकारियों को संवेदनशीलता, ईमानदारी और सेवा भाव के साथ कार्य करते हुए ग्रामीणों का विश्वास जीतना होगा।

मुख्यमंत्री साय ने अधिकारियों से कहा कि शासकीय योजनाओं की वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी, जब उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और गांव का प्रत्येक नागरिक स्वयं विकास यात्रा का सक्रिय भागीदार बने। उन्होंने प्रत्येक जिले में ऐसे गांवों की पहचान करने के निर्देश दिए, जहां जनभागीदारी, स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और प्रभावी योजना के माध्यम से आदर्श विकास मॉडल विकसित किए जा सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिली है। छत्तीसगढ़ में अब तक 10 लाख 40 हजार से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। अब सरकार उन्हें उद्यमिता, कौशल विकास और स्वरोजगार से जोड़कर बड़ी संख्या में करोड़पति दीदी बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र महिलाओं की पहचान कर उन्हें स्व-सहायता समूहों, कौशल विकास, आजीविका गतिविधियों और नई औद्योगिक नीति से उत्पन्न अवसरों से जोड़ा जाए।

विकसित भारत जी राम जी योजना से ग्रामीण विकास को मिलेगी नई गति

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 1 जुलाई से लागू विकसित भारत जी राम जी योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने वाली महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना के माध्यम से रोजगार सृजन के साथ-साथ स्थायी परिसंपत्तियों और गुणवत्तापूर्ण अधोसंरचना का निर्माण प्राथमिकता से किया जाए। इसके माध्यम से जल संरक्षण, कृषि, ग्रामीण अधोसंरचना, आजीविका और सामुदायिक परिसंपत्तियों के निर्माण को नई गति मिलेगी।

जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर प्रबंधन बने प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण विकास केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं होना चाहिए। जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य, कृषि उत्पादकता, पशुपालन, मत्स्य पालन तथा स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों का वैज्ञानिक उपयोग ही स्थायी विकास का आधार है। उन्होंने प्रत्येक जिले में स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जल संरक्षण की कार्ययोजना तैयार करने तथा वर्षा जल संचयन एवं भूजल संवर्धन को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर जोर

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के निर्माण कार्यों में तेजी लाने तथा सभी पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित सभी योजनाओं के भुगतान में किसी भी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए तथा पंचायत स्तर पर प्रभावी निगरानी व्यवस्था विकसित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। पंचायत स्तर पर इसका व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक परिवारों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जाए। किसानों और ग्रामीण परिवारों को सौर पंप तथा अन्य सौर ऊर्जा योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन का उद्देश्य केवल अपने सीमित उत्तरदायित्व का निर्वहन मात्र न होकर के समाज में ऐसा सकारात्मक परिवर्तन लाना होना चाहिए, जिसे आने वाली पीढ़ियां भी याद रखें। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रसेवा का जो आदर्श प्रस्तुत किया है, उससे प्रेरणा लेकर प्रत्येक अधिकारी को अपनी जिम्मेदारी को समाज निर्माण का अवसर मानना चाहिए।

एक व्यक्ति का संकल्प पूरे समाज की तस्वीर बदल सकता है

मुख्यमंत्री साय ने पद्मश्री पोपटराव पवार के हिवड़े बाजार मॉडल का उल्लेख करते हुए कहा कि दृढ़ इच्छाशक्ति, ईमानदार नेतृत्व और जनसहभागिता के माध्यम से किसी भी गांव का कायाकल्प किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि समाज में परिवर्तन लाने के लिए हमेशा बड़ी संख्या की आवश्यकता नहीं होती। यदि एक व्यक्ति भी संकल्प लेकर आगे बढ़ता है, तो पूरा समाज उसके साथ खड़ा हो जाता है। मुख्यमंत्री ने वर्ष 1999 की अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए बताया कि जब वे पहली बार सांसद बने थे, तब युवा सांसदों के मार्गदर्शन के लिए पोपटराव पवार को आमंत्रित किया गया था। उस समय एक युवा सरपंच के रूप में उन्होंने हिवड़े बाजार के परिवर्तन की जो कहानी सुनाई थी, वही आज पूरे देश के लिए आदर्श ग्राम विकास का मॉडल बन चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट स्थित दीनदयाल शोध संस्थान में नानाजी देशमुख द्वारा विकसित ग्राम विकास मॉडल तथा ओडिशा में डॉ. अच्युत सामंत द्वारा शिक्षा के माध्यम से किए गए सामाजिक परिवर्तन से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। विकास का अपना मॉडल तैयार किया जाए।

बस्तर के अंतिम गांव तक पहुंचे विकास की रोशनी

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से बस्तर संभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में विकास कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से किए जाएं। उन्होंने कहा कि जिन गांवों तक कभी पहुंचना कठिन था, वहां अब सड़क, बिजली, आवास, राशन, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं तेजी से पहुंच रही हैं। सरकार का लक्ष्य विकास की रोशनी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

हिवड़े बाजार मॉडल ने दिखाया जनभागीदारी की ताकत

कार्यशाला में पद्मश्री पोपटराव पवार ने हिवड़े बाजार के परिवर्तन की यात्रा साझा करते हुए बताया कि वर्ष 1989 में गांव जल संकट, पलायन, बेरोजगारी और सामाजिक समस्याओं से जूझ रहा था। जनसहभागिता, अनुशासन, जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के वैज्ञानिक प्रबंधन के माध्यम से गांव का व्यापक विकास किया गया। आज गांव में पलायन समाप्त हो चुका है, बीपीएल परिवार नहीं हैं, प्रतिदिन लगभग पांच हजार लीटर दूध का संग्रहण होता है तथा प्रति व्यक्ति आय लगभग नौ लाख रुपये तक पहुंच चुकी है। बैठक में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव भीम सिंह, संचालक प्रियंका ऋषि महोबिया, सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अमरजीत सिन्हा, प्रदेश के सभी जिलों के जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मत्स्य कृषकों को स्पॉन संवर्धन योजना का लाभ निःशुल्क मत्स्य बीज एवं तकनीकी मार्गदर्शन

वैज्ञानिक मत्स्य पालन को बढ़ावा देने की पहल, आय बढ़ाने और मत्स्य उत्पादन में वृद्धि पर जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के मत्स्य पालन विभाग द्वारा संचालित स्पॉन संवर्धन योजना के तहत प्रदेश में आदिवासी मत्स्य कृषकों को वैज्ञानिक मत्स्य पालन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी क्रम में सूरजपुर जिले के विकासखंड ओड़गी एवं प्रतापपुर के चार अनुसूचित जनजाति वर्ग के मत्स्य कृषकों को निःशुल्क गुणवत्तायुक्त मत्स्य बीज (स्पॉन) एवं नर्सरी जाल वितरित किए गए।

मत्स्य बीज प्रक्षेत्र बसदेई में तैयार उच्च गुणवत्ता वाले स्पॉन को सुरक्षित ऑक्सीजन पैकिंग के माध्यम से हितग्राहियों तक पहुंचाया गया, जिससे परिवहन के दौरान मत्स्य बीज की गुणवत्ता और जीवित रहने की क्षमता बनी रहे। स्पॉन के बेहतर संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रत्येक हितग्राही को नर्सरी जाल भी उपलब्ध कराया गया।

इस अवसर पर मत्स्य पालन विभाग के अधिकारियों ने हितग्राहियों को तालाब की वैज्ञानिक तैयारी, स्पॉन संचयन, नर्सरी प्रबंधन, जल गुणवत्ता संरक्षण तथा आधुनिक मत्स्य पालन तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया। इससे मत्स्य कृषकों को कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

मत्स्य पालन विभाग का उद्देश्य अनुसूचित जनजाति वर्ग के मत्स्य कृषकों को गुणवत्तायुक्त मत्स्य बीज, आवश्यक संसाधन एवं तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराकर उनकी आय में वृद्धि करना तथा राज्य में मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देना है।

विभाग की यह पहल ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में मत्स्य पालन को स्वरोजगार और आजीविका के सशक्त माध्यम के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

छत्तीसगढ़ को खेल हब बनाने नई सोच और विजन के साथ करें काम - अरुण साव

अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप खुद को अपडेट रखें कोच व खेल अधिकारी, खेल आयोजनों में प्रतिभाओं पर नजर रखने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने आज खेल विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित समीक्षा बैठक में विभागीय अधिकारियों और प्रशिक्षकों को छत्तीसगढ़ में नई खेल संस्कृति विकसित करने तथा खेल हब बनाने नई सोच एवं विजन के साथ काम करने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, आदिम जाति कल्याण, पुलिस और वन विभाग सहित विभिन्न विभागों के खेल आयोजनों में मौजूद रहकर कम उम्र की प्रतिभाओं को खोजने तथा उनके समुचित प्रशिक्षण व मार्गदर्शन की व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने इन आयोजनों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए आयोजकों को आवश्यक सुझाव, सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान करने को भी कहा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार और संचालक तनुजा सलाम भी बैठक में शामिल हुईं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बैठक में विभाग द्वारा आयोजित किए जाने वाले ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविरों के व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ ही ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों एवं खेल संघों को इससे जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ये प्रशिक्षण शिविर स्थानीय स्तर पर खेलों का वातावरण तैयार करने का बड़ा माध्यम है। उन्होंने खेल एवं खिलाड़ियों के लिए अच्छा वातावरण तैयार करने हर जिले में सभी खेलों के संघ बनाने को कहा। उन्होंने शासन द्वारा सहयोग प्रदान करने सभी खेल संघों एवं एशोसिएशन्स का पंजीयन कराने को भी कहा।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने राज्य शासन द्वारा निर्मित खेल अधोसंरचनाओं के साथ ही खेलो इंडिया सेंटर्स की प्रशिक्षण सुविधाओं और प्रशिक्षकों के माध्यम से राज्य के खिलाड़ियों को तराशने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रतिभावान खिलाड़ियों की कम उम्र में ही पहचान कर उनके प्रशिक्षण एवं ग्रूमिंग के लिए अच्छी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सभी जिलों के खेल अधिकारियों को अपने-अपने जिले के राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ ही अच्छी संभावनाओं वाले खिलाड़ियों की विस्तृत प्रोफाइल तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने खिलाड़ियों को बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का सहयोग लेने को भी कहा।

उप मुख्यमंत्री ने विभिन्न जिलों में निर्माणाधीन खेल परिसरों, खेल मैदानों एवं स्टेडियमों के निर्माण के दौरान नियमित रूप से कार्यों का अवलोकन कर खिलाड़ियों की जरूरतों के अनुरूप निर्माण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने संबंधित जिले के लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता के नियमित संपर्क में रहकर कार्यों को तेजी से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साव ने बैठक में मौजूद लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता वी.एस. कोरम को खेल अधोसंरचनाओं से जुड़े निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ जल्द से जल्द पूर्ण करने को कहा। उन्होंने सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को तेजी से पूर्ण कर अप्रारंभ कार्यों को यथाशीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने उप मुख्यमंत्री कार्यालय को हर महीने इन कार्यों की प्रगति की रिपोर्ट देने को भी कहा।

श्री साव ने सभी खेल अधिकारियों को अपने-अपने जिले में विकासखंड शिक्षा अधिकारियों से मिलकर स्कूलों में प्रतिदिन खेलों का एक पीरिएड सुनिश्चत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों के माध्यम से हर गांव के सरपंच और सचिव की बैठक कर उन्हें गांवों में खेलों के लिए अच्छा माहौल तैयार करने के लिए प्रेरित करने को कहा। उप मुख्यमंत्री साव ने प्रशिक्षकों और खेल अधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नई तकनीकों, खेल उपकरणों, नए नियमों और नियामक संस्थाओं से अपडेट रहने के निर्देश दिए।

राष्ट्रपति मुर्मु करेंगी बस्तर पंडुम-2026 के विजेताओं का सम्मान

राष्ट्रपति भवन तक पहुँची बस्तर की गौरवगाथा, मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में 209 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल करेगा राष्ट्रपति भवन में शिष्टाचार भेंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोकपरंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि जुड़ने जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, बस्तर पंडुम-2026 के विजेता प्रतिभागियों, परंपरागत जनजातीय नेतृत्व व्यवस्था के प्रतिनिधियों, पद्म सम्मानित विभूतियों तथा जनप्रतिनिधियों का 209 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल आगामी 30 जुलाई को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति मती द्रौपदी मुर्मु से शिष्टाचार भेंट करेगा।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति मती द्रौपदी मुर्मु ने बस्तर पंडुम-2026 के विजेता प्रतिभागियों, परगना मांझी, मांझी, चालकी तथा पद्म सम्मानित विभूतियों के सम्मान में विशेष भोज का आयोजन भी किया है। प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति भवन का भ्रमण करेगा तथा नई दिल्ली के प्रमुख राष्ट्रीय स्थलों का अवलोकन भी करेगा। यह अवसर बस्तर की जनजातीय संस्कृति, परंपरागत नेतृत्व व्यवस्था और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को देश के सर्वोच्च संवैधानिक मंच पर मिल रहे सम्मान का ऐतिहासिक प्रतीक होगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारी सरकार जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ उसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राष्ट्रपति भवन में बस्तर के कलाकारों और परंपरागत जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। यह सम्मान बस्तर की संस्कृति, परंपरा और जनजातीय समाज के प्रति पूरे देश के सम्मान का प्रतीक है। संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि बस्तर पंडुम-2026 ने यह सिद्ध कर दिया है कि छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति और लोकपरंपराएं राष्ट्रीय ही नहीं, वैश्विक स्तर पर भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाने की क्षमता रखती हैं। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव जनजातीय ज्ञान परंपरा, लोकजीवन, पारंपरिक नेतृत्व व्यवस्था और सांस्कृतिक अस्मिता के संरक्षण का सशक्त अभियान बन चुका है।

राष्ट्रपति भवन में बस्तर पंडुम के विजेता प्रतिभागियों एवं जनजातीय प्रतिनिधियों का सम्मान पूरे छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक स्वाभिमान का सम्मान है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में संस्कृति विभाग द्वारा जनजातीय विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि बस्तर पंडुम आज केवल छत्तीसगढ़ का नहीं, बल्कि देश के सबसे महत्वपूर्ण जनजातीय सांस्कृतिक आयोजनों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर चुका है। लोककलाओं को मंच उपलब्ध कराने, कलाकारों को सम्मान दिलाने, जनजातीय ज्ञान परंपरा का दस्तावेजीकरण करने तथा नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने में इस महोत्सव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 में पहली बार आयोजित बस्तर पंडुम ने विश्व के सबसे बड़े जनजातीय सांस्कृतिक महोत्सव के रूप में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में स्थान प्राप्त कर छत्तीसगढ़ को वैश्विक पहचान दिलाई थी। इस उपलब्धि के बाद वर्ष 2026 में महोत्सव का दायरा और अधिक व्यापक किया गया।

परित्यक्त बच्चों को नया जीवन और परिवार दे रही 'मातृछाया': मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े रायपुर के कोटा स्थित सेवा भारती संचालित 'मातृछाया' के 20वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान द्वारा नवजात, परित्यक्त एवं बेसहारा शिशुओं के संरक्षण, पालन-पोषण, शिक्षा और संस्कार के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए इसे सेवा और संवेदना का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

मंत्री राजवाड़े ने बच्चों से आत्मीय मुलाकात कर कहा कि मातृछाया ऐसे बच्चों को सुरक्षित आश्रय, स्नेह और बेहतर भविष्य देने का सराहनीय कार्य कर रही है। यहां बच्चों की देखभाल के साथ कानूनी प्रक्रिया के तहत उन्हें नि:संतान दंपतियों को दत्तक दिए जाने की व्यवस्था भी की जाती है। सेवा भारती खोए हुए बच्चों को उनके परिजनों तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

उन्होंने कहा कि 'नर सेवा ही नारायण सेवा' की भावना के साथ कार्य कर रहे संस्थान के कार्यकर्ता समाज के लिए प्रेरणा हैं। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने सेवा भारती 'मातृछाया' परिवार को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए संस्था के सेवा कार्यों के निरंतर विस्तार की कामना की।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950